www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 78 || लखनऊ
गुरुवार
18 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:13
सूर्यास्तः 07:02
अधिकतमः 40.00
न्यूनतमः 31.00

पेज 07
विशेष समाचार प्रेस कॉन्फ्रेंस, लोकतंत्र और ... >> पेज 04 | 2 कारों की टक्कर, 3 की मौत... >> पेज 06 | मेसी की फुटबॉल वर्ल्डकप में पहली हैट्रिक...

9 में 6 सांसद अलग होने को तैयार, शिंदे गुट में विलय की अटकलें, 4 साल पहले शिंदे 39 विधायकों के साथ अलग हुए थे

उद्धव की पार्टी में बगावत !

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के 9 में से 6 सांसदों ने बगावत कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, छह सांसदों ने बुधवार सुबह 9:30 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को शिंदे गुट में विलय के लिए चिट्ठी भेजी। हालांकि, अभी स्पीकर या बागी गुट की तरफ इसकी पुष्टि नहीं की गई है। बागी सांसदों में नागेश पाटिल आष्टीकर और संजय दीना पाटिल शामिल हैं। संजय ने बुधवार सुबह ही पार्टी छोड़ने की खबरों को खारिज किया था। इस बीच दिल्ली में राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बागी सांसदों को गाली दी। पिछले 3 महीने के दौरान विपक्षी गुट के 27 सांसदों ने अपनी पार्टी से बगावत करते हुए भाजपा या NDA को समर्थन दिया है। इनमें 7 AAP के राज्यसभा सांसद और 20 TMC के लोकसभा सांसद हैं। शिवसेना (UBT) में टूट की अटकलों के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (SBSP) चीफ और यूपी के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट होने वाली है और पार्टी के कई नेता BJP में शामिल होने के लिए तैयार हैं। सपा चीफ अखिलेश यादव ने पार्टी में टूट की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सपा मजबूत और एकजुट है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राउत ने कहा- ये साले #$% के। ये बेईमान लोग हैं। बेईमानी उनके खून में हैं। राउत ने बाद में सफाई देते हुए कहा- मराठी में ऐसे शब्द आम बोलचाल का हिस्सा हैं। शिवसेना में चार साल में यह दूसरी बड़ी टूट है। जून 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 39 विधायकों ने बगावत कर शिवसेना का अलग गुट बनाया था।

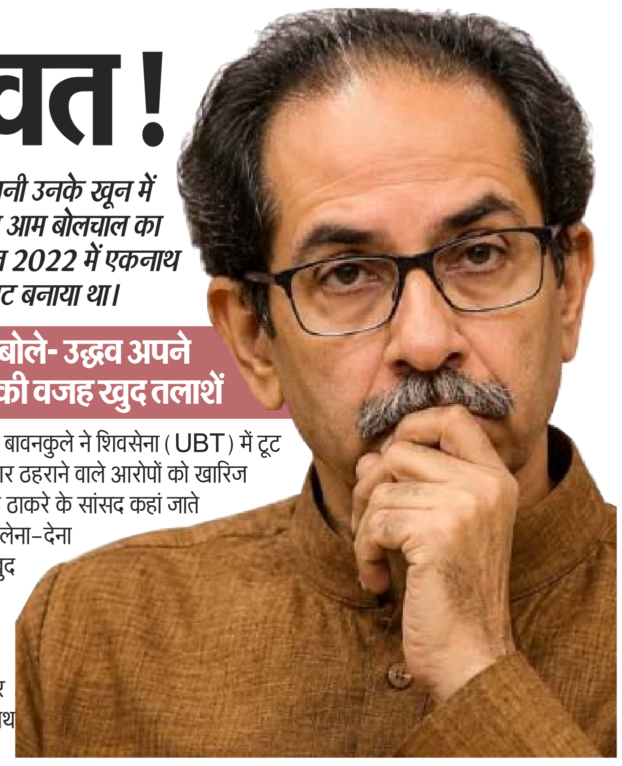

भाजपा के मंत्री बोले- उद्धव अपने सांसदों के जाने की वजह खुद तलाशें

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने शिवसेना (UBT) में टूट के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने वाले आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा- उद्धव ठाकरे के सांसद कहां जाते हैं, इससे भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। उद्धव ठाकरे को खुद सोचना चाहिए कि उनके सांसद और विधायक उन्हें छोड़कर क्यों जा रहे हैं। बावनकुले ने कहा कि अगर सांसद एकनाथ शिंदे के साथ जा रहे हैं।

कांग्रेस बोली- शाह लोकसभा में अपनी बेइज्जती की भरपाई कर रहे

कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों के सांसदों को भाजपा में शामिल कराने की कोशिश करने और भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने X पर कहा- शाह यह सब 17 अप्रैल, 2026 को लोकसभा में हुई अपनी बेइज्जती की भरपाई के लिए कर रहे हैं, जब वे परिसीमन विधेयकों को पास नहीं करवा पाए थे। रमेश ने कहा- शाह के प्रलोभन ऐसे कई लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, जो सिर्फ दो साल पहले मजबूत भाजपा-विरोधी एजेंडे पर चुने गए थे और अब भाजपा में शामिल हो रहे हैं।

6 सांसदों के गुट को दल-बदल कानून से मिल सकती है राहत

- लोकसभा में शिवसेना (यूबीटी) के 9 सांसद हैं। दल-बदल कानून के तहत किसी दल में टूट के बाद अयोग्यता से बचने के लिए कम से कम दो-तिहाई सांसदों का साथ होना जरूरी है।
- यानी अगर 9 में से 6 सांसद एक साथ अलग होने का फैसला करते हैं, तो वे खुद को वैध गुट बताने का दावा कर सकते हैं।
- इसी वजह से 6 सांसदों के बगावत करने की खबर राजनीतिक और कानूनी, दोनों लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।
- जानकारों के मुताबिक, सिर्फ अलग गुट बनाना ही काफी नहीं होगा।
- आगे चलकर इन सांसदों को किसी दूसरे दल में विलय की प्रक्रिया भी पूरी करनी पड़ सकती है, ताकि उनकी स्थिति कानूनी रूप से और मजबूत हो सके।

राउत बोले- सांसदों को 50-50 करोड़ ऑफर, चार्टर्ड से दिल्ली आए

राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि बागी सांसदों को 50-50 करोड़ रुपए ऑफर हुए हैं।

राउत ने कहा- मेरे पास जानकारी है कि सांसदों को 15-15 करोड़ रुपए पहुंचाए गए हैं और उन्हें 3 चार्टर्ड विमानों से दिल्ली लाया गया है। राउत की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिवसेना (UBT) के 9 में से सिर्फ 3 सांसद, अनिल देसाई, राजाभाऊ वाजे और अरविंद सावंत मौजूद रहे।

राउत ने कहा कि बाकी सांसदों को खुद सामने आकर अटकलों का खंडन करना चाहिए।

जगदंबिका पाल बोले- कोई सामान्य व्यक्ति भी राउत की तरह नहीं बोलता

बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने राउत की आलोचना की। पाल ने कहा- संजय राउत ने जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया है, वैसी भाषा तो कोई सामान्य व्यक्ति भी नहीं बोलता। शायद यह उनकी हताशा है। उन्हें आत्ममंथन करना चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों के NCP में विलय के सवाल पर पाल ने कहा- इसका बीजेपी से कोई लेना-देना नहीं है। पश्चिम बंगाल में जिस तरह जनता ने तृणमूल कांग्रेस को हराया, वह जनता का फैसला था।

भारतीय नाविकों की सुरक्षा सबसे जरूरी : पीएम मोदी

होर्मुज खुला रहे, आपके नेतृत्व में पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद दिखी

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/एवियन (फ्रांस)। फ्रांस के एवियन में चल रहे 52वें G7 समिट में बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच मुलाकात हुई। इस दौरान मोदी ने कहा कि समुद्र में भारतीयों की सुरक्षा जरूरी है। मुझे उम्मीद है कि ईरान के साथ डील में भारतीयों की सुरक्षा पक्की की जाएगी। मोदी ने कहा कि होर्मुज खुलना जरूरी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

होर्मूज स्ट्रेट में 108 दिनों में 46 जहाजों पर हमला

समिट के पहले दिन मंगलवार को मोदी ने होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय नागरिकों की मौत का मुद्दा उठाया था। आउटरीच सेशन में उन्होंने कहा था कि इस अहम समुद्री मार्ग में कई भारतीयों ने जान गंवाई है और वैश्विक व्यापार को जोड़ने वाले नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सभी देशों की जिम्मेदारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वर्किंग लंच स्टेटमेंट में पीएम मोदी की तारीफ की।

ट्रम्प बोले- मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं

US प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा- हम ट्रेड डील कर रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच बहुत सी चीजें हो रही हैं। अमेरिका अब तक का सबसे अच्छा काम कर रहा है। हमारे पास $19.2 ट्रिलियन से ज्यादा आ रहे हैं। हम सब कुछ बना रहे हैं। प्रधानमंत्री अमेरिका में बहुत कुछ बना रहे हैं और बहुत पैसा खर्च कर रहे हैं, इसलिए हम उस काम की तारीफ करते हैं। लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि वह लंबे समय से मेरे दोस्त हैं और हमारे बीच हमेशा से बहुत अच्छे रिश्ते रहे हैं।

ट्रम्प और इटली की पीएम मेलोनी के बीच रिश्तों में अप्रैल में आई खटास के बाद अब दोनों के संबंध बेहतर होते नजर आ रहे हैं। यह संकेत फ्रांस में चल रहे जी7 समिट के दौरान देखने को मिला। जब दोनों नेताओं की मुलाकात हुई तो ट्रम्प ने मेलोनी से मजाकिया अंदाज में कहा, 'तुमने मेरा साथ छोड़ दिया है।' इस पर मेलोनी ने जवाब ट्रम्प ने कहा कि सम्मेलन को सभी देशों से अच्छा समर्थन मिला है और यहां मौजूद नेता इससे संतुष्ट नजर आए। उन्होंने कहा कि फ्रांस ने मेजबानी की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाई और मैक्रों का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

फास्ट न्यूज

टेलीग्राम नीट-यूजी री-एग्जाम तक बैन के खिलाफ दिल्ली एचसी पहुंची

नई दिल्ली। मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट में केंद्र सरकार के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसके तहत NEET-UG री-एग्जाम से पहले एप पर अस्थायी रोक लगाई गई है। कोर्ट ने बुधवार को मामले की सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने मंगलवार को सरकार की तरफ से टेलीग्राम पर बैन की जानकारी दी थी।

ममता बनर्जी के भतीजे की हो सकती है गिरफ्तारी

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने बुधवार को अभिषेक बनर्जी की गिरफ्तारी वारंट पर लगी अंतरिम रोक हटा दी। उनकी ओर से वकील कोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहे थे। इसके बाद भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट से जारी वारंट पर मिली राहत समाप्त हो गई। अब अभिषेक की गिरफ्तारी हो सकती है। जानकारी के अनुसार, भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। निचली अदालत में पेश नहीं होने पर यह कार्रवाई हुई थी। वारंट के खिलाफ उन्होंने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

4 देश ट्रैवल कर चुके डॉग संग सेल्फी की होड़

गुरुग्राम। कभी कोलकाता की गलियों में छुट्टा घूमने वाला डॉग अब दुनिया भर में छाया है। अब इसे पीस का ब्रांड एंबेसडर कहा जा रहा है। नाम मिला है 'आलोका'। USA समेत 4 देशों में कई हजार किलोमीटर पैदल चल चुका स्ट्रे डॉग अब गुरुग्राम पहुंचा। होटल में हुए कार्यक्रम में स्ट्रे डॉग से मिलने के लिए हजारों लोग इकट्ठा हुए।

यूपी पुलिस को मिले 930 नए कंप्यूटर ऑपरेटर, सीएम योगी ने बांटे नियुक्ति पत्र

बोले ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता, स्मार्ट पुलिसिंग में निभानी होगी बड़ी भूमिका

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के लोकभवन में मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा चयनित 930 कंप्यूटर ऑपरेटर (ग्रेड-ए) को नियुक्ति पत्र वितरित किए. इस अवसर पर उन्होंने नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए भर्ती बोर्ड की सराहना की. मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी चयनित अभ्यर्थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. उन्होंने आत्मअ-नुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और कार्य के प्रति गंभीरता को सफलता की कुंजी बताया. योगी ने कहा कि ड्यूटी के दौरान रील बनाना अनुशासनहीनता है और पुलिसक-र्मियों को ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे विभाग की छवि प्रभावित हो.

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस ने जनसेवा और सुशासन के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है.

राज्य में सवा दो लाख से अधिक पुलिस कर्मियों की भर्ती पारदर्शी तरीके से की गई है. मुख्यमंत्री ने दावा किया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और पुलिसिंग के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक तथा डिजिटल सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है.

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

आईएसआई से जुड़े टेरर मॉड्यूल का हुआ भंडाफोड़

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बुधवार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े आतंकी मॉड्यूल के पांच और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले मंगलवार को इस मॉड्यूल के 7 अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस तरह दो दिनो में मॉड्यूल के 12 सदस्य गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि एक फरार है।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक,यह नेटवर्क पाकिस्तान स्थित ISI हैंडलर शहजाद भट्टी से जुड़ा हुआ था।

जांच में खुलासा हुआ है कि गिरफ्तार आरोपियों को दिल्ली और आसपास के राज्यों में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाने का काम सौंपा गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

पिछले 2 महीने में भी हुईं आईएसआई एजेंट्स की गिरफ्तारियां

- **मईः यूपी में ब्लास्ट की साजिश रच रहे 4 अरेस्ट**

उत्तर प्रदेश में एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल के 4 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। ये भाजपा दफ्तरों, अस्पताल, स्कूल और अन्य कई संवेदनशील ठिकानों पर ब्लास्ट करने की साजिश रच रहे थे।

- **अप्रैलः पंजाब अमृतसर में 3 गिरफ्तार**

पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने आईएसआई के समर्थन से संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 2 हैंड ग्रेनेड और एक विदेशी ग्लॉक पिस्टल बरामद की गई थी।

- **नवंबर 2025: दिल्ली में लाल किले के पास ब्लास्ट**

दिल्ली में पिछले साल आतंकियों ने लाल किले के पास 10 नवंबर को कार ब्लास्ट किया था। धमाके में 11 लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे। इसके पीछे एक्यूआईएस (भारतीय उपमहा-द्वीप में अल-कायदा) से जुड़े मॉड्यूल का हाथ था।

गुजरात में सड़क हादसे में 6 की मौत, 31 घायल

मरने वालों में 9 साल का बच्चा भी, बांसवाड़ा से सूरत जा रही बस खड़े ट्रक से टकराई

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक स्लीपर बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। 31 लोग घायल हैं। मृतकों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बालाजी ट्रैवल्स की लग्जरी बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही थी। वडोदरा में बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बस में फंस गए। सूचना मिलते ही SDRF, NDRF और वडोदरा फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। सभी

घायलों को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण इलाके में लंबा जाम लग गया था। गुजरात में सूरत जिले के बारडोली के पास दो जून को भी दो बसें टकरा गई थीं। हादसे में 7 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा घायल हो गए। टक्कर के बाद एक बस के पलटते ही उसमें आग लग गई थी। दोनों बसें महाराष्ट्र की हैं। हादसा सड़क पर पलटे एक टैंकर को बचाने की कोशिश के दौरान हुआ।

000 : एक साल में 15.6% बढ़ा, रक्षा मंत्रालय ने हथियारों की सफलता के बारे में भी बताया

भारत का डिफेंस प्रोडक्शन ₹1.78 लाख करोड़ हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत का सालाना डिफेंस प्रोडक्शन 2025-2026 में 1.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह 2024-2025 के 1.54 लाख करोड़ के मुकाबले 15.6% बढ़ा है। वहीं, साल 2020-2021 (84,643 करोड़) के मुकाबले इसमें 110% का भारी उछाल आया है। वित्तीय वर्ष 2013-2014 में देश का स्वदेशी रक्षा उत्पादन 43,746 करोड़ था, जो अब करीब चार गुना बढ़ चुका है। पीएम मोदी ने भी एक्स

ब्रह्मोस मिसाइल

(X) पर लिखा कि पिछले 12 सालों में आत्मनिर्भरता, तकनीक, इनोवेशन और स्वदेशी मैन्युफैक्च-रिंग के दम पर भारत के रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आया है। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय ने रक्षा सौदों के साथ भारत के प्रमुख हथियारों की सफलता के बारे में भी बताया। भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है, जिनमें अमेरिका, फ्रांस और अर्मेनिया प्रमुख हैं। अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है जहां 2.8 अरब डॉलर के प्रणाली व कल्पुर्जे बोइंग और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी कंपनियों को जाते हैं। अर्मेनिया जैसे देश पूरे तैयार हथियार खरीद रहे। सरकार ने 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात लक्ष्य रखा है। 2016-17 में यह मात्र 1,522 करोड़ रुपए था। यानी एक दशक से कम समय में इसमें 25 गुना से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मानसून कमजोर, देश के 40% हिस्से में बारिश की हुई कमी

राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात-कर्नाटक के ऊपर बादल नदारद

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। जून के तीसरे सप्ताह में भी मानसून देश के बड़े हिस्से को कवर नहीं कर पाया है। 17 जून की सुबह ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक के ऊपर मानसूनी बादल नहीं हैं। इन राज्यों में आसमान साफ दिख रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 723 जिलों में से सिर्फ 103 में ही सामान्य बारिश हुई है। यानी, देश के 40% हिस्से में सामान्य से कम बारिश हुई है। इसकी मुख्य वजह बंगाल की खाड़ी में मजबूत लो-प्रेशर एरिया का न बनना है। 4 जून को केरल में दस्तक देने के बाद मानसून 13 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। पिछले 7 दिन से

यह तेलंगाना के भद्राचलम में अटका हुआ है। इसी वजह से छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में बारिश में देरी हो गई है। मानसूनी बारिश भले ही न हुई हो, लेकिन प्री-मॉनसून एक्टिविटीज और लोकल सिस्टम्स की वजह से देश के अधिकांश राज्यों में पारा 40°C या इससे नीचे बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, जेट स्ट्रीम का मौजूदा पैटर्न कमजोर होने पर मानसूनी हवाएं तेज होंगी।

सीएम योगी के निर्देश पर गो संरक्षण से रोजगार, प्राकृतिक खेती और स्वदेशी ऊर्जा मॉडल तैयार

'जहर मुक्त भोजन' का मेगा कैंपेन

कार्ययोजना

शुद्ध खाद्य पदार्थों के बड़े सप्लाई सेंटर के रूप में विकसित की जाएंगी गोशालाएं

गोशालाओं के पांच किलोमीटर दायरे में रहने वाले परिवारों को उत्पाद पहुंचाकर होगी शुरुआत

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। प्रदेश में 'जहर मुक्त भोजन' का मेगा कैंपेन शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने इसकी विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है, जिसके तहत अब लोगों की थाली

तक सीधे खेतों से निकला शुद्ध और जहरमुक्त भोजन पहुंचाया जाएगा। इस पूरे महाभियान का केंद्रबिंदु उत्तर प्रदेश की गोशालाएं होंगी, जिन्हें अब सिर्फ गोसंरक्षण ही नहीं, बल्कि शुद्ध खाद्य पदार्थों के बड़े सप्लाई सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा।

पहले चरण में चयनित गोशालाओं के 5 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले परिवारों को इस महा अभियान से जोड़ा जाएगा। इन परिवारों तक प्राकृतिक खेती से उपजे खाद्यान्न, ताजी सब्जियां, फल और पंचगव्य आधारित उत्पाद सीधे पहुंचाए जाएंगे। गो सेवा आयोग ने इसके लिए 'फार्म टू कंज्यूमर' (खेत से सीधे उपभोक्ता तक) मॉडल तैयार किया है। इससे उपभोक्ताओं को सही कीमत पर और किसानों को उनकी उपज का और बेहतर मूल्य मिल सकेगा।

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लक्ष्य हर नागरिक को बीमारियों से बचाना और उन्हें 'जहर मुक्त भोजन' उपलब्ध कराना है। सबसे पहले चयनित गोशालाओं के आसपास के परिवारों से इसकी शुरुआत होगी। यह मॉडल गोशालाओं को ग्रामीण समृद्धि और सेहत का नया केंद्र बनाएगा।

गोशालाओं के आसपास रहने वाले परिवारों तक पहुंचेंगी जहरमुक्त सब्जियां, अनाज और फल

ग्रामीण स्तर पर पैदा होंगे बंपर रोजगार

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि 'जहर मुक्त भोजन' के इस पूरे चक्र को चलाने के लिए बड़े पैमाने पर स्थानीय युवाओं को प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग से जोड़ा जाएगा, जिससे ग्रामीण स्तर पर बंपर रोजगार पैदा होंगे। प्रदेश में यह प्रयोग देश के सामने 'सेहत और समृद्धि' का एक अनूठा उदाहरण बनने जा रहा है।

'जहर मुक्त भोजन' मिशन की विशेषताएं

जैविक खाद्यः गोशालाओं के सहयोग से तैयार होने वाली 100% जैविक सब्जियां, फल और अनाज सीधे घरों तक पहुंचेंगे।

पहला टारगेट रेडियसः शुरुआती फेज में गोशाला के 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्रों को कवर किया जाएगा।

मल्टी-प्रोडक्ट बास्केटः अनाज-सब्जियों के अलावा औषधीय उत्पाद, पंचगव्य घी, और शुद्ध दूध भी इस चेन का हिस्सा होंगे।

स्थायी बाजारः केमिकल-फ्री उत्पाद तैयार करने वाले स्थानीय किसानों को अब अपनी फसल बेचने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा, गोशालाएं ही उनका बाजार बनेंगी।

छात्रा को बाग में खींच ले गया रेप की कोशिश

परीक्षा देने जा रही थी, चाकू की नोक पर दबोचा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर परीक्षा देने जा रही एक छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास किया गया। आरोप है कि गांव के ही एक युवक ने चाकू की नोक पर छात्रा को आम के बाग में खींच कर उसके साथ गलत काम करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी ने छात्रा के साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई। छात्रा के अनुसार, वह मंगलवार दोपहर बीए थर्ड ईयर की परीक्षा देने जा रही थी। गांव के बाहर स्थित आम के बाग के पास तेज बहादुर उर्फ तेजा ने उसे रोक लिया। छात्रा का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी ने गले पर चाकू रखकर जान से मारने की धमकी दी और उसे जबरन बाग में खींच ले गया।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे आम के बाग में खींच ले जाने के बाद दुष्कर्म के इरादे से उसके कपड़े फाड़ने लगा। जब छात्रा ने विरोध किया, तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्द बोले। मारपीट के दौरान छात्रा बेहोश हो गई। होश आने पर वह अपने घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना पर परिजन छात्रा को लेकर बीकेटी थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तत्काल मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में घरेलू कनेक्शन पर चला रहे स्पोर्ट्स सेंटर

लखनऊ । लखनऊ में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने बिजली चोरी रोकने और लाइन लॉस कम करने के लिए अभियान चलाया। शहर के विभिन्न जोनों में सघन चेकिंग अभियान चला कर कार्रवाई की। इस दौरान कार्रवाई में कुल 11 उपभोक्ता मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते पकड़े गए, जिनके खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई।

आर्थिक तंगी से परेशान कारोबारी ने की आत्महत्या

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णा नगर इलाके में कर्ज और आर्थिक तंगी से परेशान एक कारोबारी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह घर में उनका शव सीढ़ियों की रेलिंग से लटका मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मृतक राकेश दुबे (52) कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के महादेव नगर, कनौसी में परिवार के साथ रहते थे। मूल रूप से सुल्तानपुर जिले के सिमरी गांव निवासी राकेश बिजनेस कंसल्टेंसी का काम करते थे।

शारदा सहायक नहर में मिला नवजात का शव

दुबग्गा। लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह शारदा सहायक नहर में एक नवजात शिशु का शव मिला है। केटल घाट के पास नहर में शव को बहता देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह कुछ लोगों की नजर नहर में बह रहे एक नवजात के शव पर पड़ी। शुरुआत में उन्हें स्थिति का अंदाजा नहीं हुआ, लेकिन पास जाकर देखने पर पता चला कि वह नवजात शिशु का शव है। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

महिला किसानों के सशक्तिकरण को मिली नई गति 14.16 लाख की वित्तीय स्वीकृति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने महिला किसानों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना (MKSP) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 14.16 लाख (रुपये चौदह लाख सोलह हजार सात सौ मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

यह स्वीकृति ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM) के अंतर्गत संचालित महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के लिए प्रदान की गयी है। परियोजना के तहत अनुसूचित जनजाति की महिला किसानों को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने, उन्हें आधुनिक एवं स्थायी खेती से जोड़ने तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के माध्यम से महिला-प्रधान परिवारों एवं संसाधन-विहीन समूहों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें कृषि से संबंधित प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग तथा अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध करायी जाएगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के माध्यम से अनुसूचित जनजाति की महिला किसानों को मिलेगा स्थायी कृषि और आत्मनिर्भरता का संबल

विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रभावी प्रयास

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिला किसान केवल कृषि श्रमिक नहीं, बल्कि सशक्त किसान और सफल उद्यमी के रूप में आगे बढ़ें, यही सरकार का संकल्प है। महिला किसानों की आय बढ़ाने और उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहारः रिश्वतखोरी के आरोपों में दो अधिशासी अधिकारी निलंबित

जीरो टॉलरेंस नीति के तहत नगर विकास विभाग की बड़ी कार्रवाई

दोनों अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही भी की गई संस्थित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनाई गई जीरो टॉलरेंस नीति के क्रम में स्थानीय निकाय विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जनपद हरदोई में तैनात दो अधिशासी अधिकारियों को निलंबित कर उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संस्थित कर दी है। निदेशक स्थानीय निकाय श्री अनुज कुमार झा ने शासन की भ्रष्टाचार विरोधी नीति का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नगर पालिका परिषद शाहाबाद, जनपद हरदोई में तैनात अधिशासी अधिकारी श्री कृष्ण कुमार सोनकर को रिश्वत

लेने के आरोपों के आधार पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई अपर जिलाधिकारी (न्यायिक)/प्रभारी अधिकारी (स्थानीय निकाय), हरदोई तथा नगर पालिका परिषद शाहाबाद के अध्यक्ष द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचनाओं के आधार पर की गई है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच भी प्रारंभ कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर दृढ़ता से कार्य कर रही है। नगर विकास एवं उर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा तथा प्रमुख सचिव श्री पी गुरु प्रसाद जी द्वारा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुचिता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निर्देश दिए जाते रहे हैं। उनके द्वारा यह स्पष्ट किया गया है की स्थानीय निकायों में भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता अथवा पद के दुरुपयोग से संबंधित मामलों में किसी भी स्तर पर ढलाई नहीं बरती जाए।

निदेशक स्थानीय निकाय अनुज कुमार झा ने स्पष्ट किया है कि शासन की मंशा के अनुरूप स्थानीय निकायों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है। भ्रष्टाचार अथवा वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या संरक्षण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नीलाव शल्या के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की गई

इसी क्रम में नगर पालिका परिषद बिलग्राम, जनपद हरदोई में तैनात अधिशासी अधिकारी श्री नीलाव शल्या के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की गई है। उनके खिलाफ एक ठेकेदार से भुगतान के एवज में कथित रूप से कमीशन एवं रिश्वत लेने से संबंधित वीडियो वायरल होने तथा एफआईआर दर्ज होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्हें भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय कार्यवाही संस्थित की गई है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी हरदोई एवं संबंधित अधिकारियों की आख्या के आधार पर की गई।

योगी सरकार में घरेलू रूफटॉप सोलर क्षमता में 2 गीगावाट का ऐतिहासिक आंकड़ा किया पार

देश के प्रतिष्ठित 2 गीगावाट रूफटॉप सोलर क्लब में उत्तर प्रदेश हुआ शामिल

सोलर विस्तार से उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में आई कमी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में घरेलू रूफटॉप सौर ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 2 गीगावाट (GW) स्थापित क्षमता का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश देश के प्रतिष्ठित ₹2 गीगावाट रूफटॉप सोलर क्लब में शामिल हो गया है, जहाँ अब तक केवल गुजरात और महाराष्ट्र जैसे अग्रणी राज्यों की

उपस्थिति थी। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और प्रदेश में सौर ऊर्जा को लेकर बढ़ती जनभागीदारी का परिणाम मानी जा रही है। योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने अपने घरों की छतों पर सौर संयंत्र स्थापित कर स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा को अपनाया है। इस दौरान यूपी नेडा रविंदर सिंह ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में यह उपलब्धि केवल एक सांख्यिकीय मील का पत्थर नहीं है, बल्कि प्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ते कदमों का प्रतीक है। घरेलू रूफटॉप सोलर के विस्तार से उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत मिलने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश में घरेलू सौर ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से वृद्धि दर्ज की जा रही है। वर्तमान प्रगति को देखते हुए प्रदेश अब देश में शीर्ष राज्यों की श्रेणी में अपनी स्थिति और मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है। अधिकारियों का मानना है कि यदि वर्तमान गति बनी रही तो आने वाले महीनों में उत्तर प्रदेश घरेलू रूफटॉप सोलर स्थापना के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों को चुनौती देते हुए नई ऊंचाइयां प्राप्त कर सकता है। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि राज्य के हरित ऊर्जा भविष्य और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

प्रदेश की इस सफलता में यूपीनेडा के इम्पैनल्ड वेंडर्स, विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, बैंकिंग संस्थानों तथा लाखों उपभोक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विभिन्न विभागों और संस्थाओं के समन्वित प्रयासों ने सौर ऊर्जा को जन-आंदोलन का स्वरूप देने में योगदान दिया है।

बैलगाड़ी पर बैठकर कलेक्ट्रेट पहुंचे सपाई

शर्ट उतारकर बोले- महंगाई बहुत, हमारे कपड़े छिने, इस तरह चलने को मजबूर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार दोपहर कड़ी धूप में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया। कई कार्यकर्ता बैलगाड़ी पर सवार होकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट तक पहुंचे।कैसरबाग स्थित पार्टी के जिला कार्यालय से लेकर जिला कलेक्ट्रेट तक बैलगाड़ी से ही चले।

इस प्रदर्शन में पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा, लोहिया वाहिनी, यूथ ब्रिगेड और समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना था- पेट्रोल इतना महंगा हो

गया है कि इस तरह चलने को मजबूर हो गए हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है। प्रदर्शन में शामिल सपा नेता राम सिंह राणा ने कहा- जब से भाजपा आई है, कमरतोड़ महंगाई है। जो सरकार राम के नाम पर बनी थी, वह आज राम का मंदिर नहीं बचा पा रही है। वहां पर अरबों रुपए का चंदा चोरी हो रहा है। यह चंदा चोरी करोड़ों भक्तों की आस्था के साथ खिलवाड़ है।

'विकास के नाम पर विनाश की ओर जा रहे'

हाथों में सपा का झंडा लेकर लाल टोपी पहनकर और शर्ट उतार कर भीषण गर्मी में सपा कार्यकर्ता जमकर नारेबाजी करते हुए नजर आए। प्रदर्शन में शामिल सपा नेता अनीस राजा ने कहा कि मौजूदा सरकार ने पेट्रोल और डीजल इतना ज्यादा महंगा कर दिया है कि हम लोग गाड़ियों में नहीं डलवा सकते। इसलिए आज बैलगाड़ी पर सवार होकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस सरकार ने हमें गाड़ी छोड़कर बैलगाड़ी पर चलने पर मजबूर कर दिया। हम लोग यह सरकार के साथ आम जनता को भी बताना चाहते हैं कि विकास के नाम पर विनाश की ओर जा रहे हैं।

रिवाज : 187 साल पुरानी परंपरा निभा रहे अकीदतमंद, ड्रोन से हो रही निगरानी

बड़े इमामबाड़े से निकला शाही जरी का जुलूस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में मोहर्रम के पहले दिन बुधवार को हुसैनाबाद ट्रस्ट की ओर से पारंपरिक शाही जरी का जुलूस निकाला जा रहा है। जुलूस में बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग काले वस्त्र पहनकर शामिल है।

जुलूस की शुरुआत बड़े इमामबाड़े से हुई। यह रूमी गेट, घंटाघर होते हुए छोटे इमामबाड़े तक पहुंचेगा। जुलूस में शामिल 2 हाथी और 8 ऊंट लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

अकीदतमंद हाथों में हरे, नीले और काले झंडे लेकर जुलूस के साथ चल रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के

मद्देनजर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर तैनात हैं। जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस बल, पीएसी और आरआरएफ के जवानों की तैनाती की गई है। जुलूस में सैकड़ों लोग नीले, हरे और काले रंग के झंडे लेकर शामिल हुए हैं। यह 187 साल

जुलूस में सैकड़ों लोग नीले, हरे और काले रंग के झंडे लेकर शामिल हुए हैं।

पुरानी परंपरा है। इसी जुलूस से हिंदुस्तान समेत पूरी दुनिया में मोहर्रम के शुरू होने का संदेश जाता है। जुलूस में प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। मौके पर तमाम आला अधिकारी, पुलिस, पीएससी, आर.आर.एफ और एसएसबी के जवान तैनात किए गए हैं। ड्रोन कैमरों से निगरानी हो रही है।

मोम से तैयार किया गया खास शाही जरी जुलूस में आकर्षण का केंद्र

शाही जरी के जुलूस के संबंध में जानकारी देते हुए लखनऊ के नवाब मसूद अब्दुल्ला ने बताया कि मोम से तैयार किया गया खास शाही जरी जुलूस में आकर्षण का केंद्र है। इसे बैंड-बाजा और शाही धुन पर ले जाया जा रहा है।

7 करोड़ के शिक्षा घोटाले में लखनऊ पहुंची सीबीआई

अयोध्या अमेठी समेत 8 ठिकानों पर छापेमारी, हाईकोर्ट के आदेश के बाद जांच तेज

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या अमेठी के वित्त एवं लेखा विभाग में हुए करोड़ों रुपए के कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने बुधवार सुबह अयोध्या में छापेमारी की। सीबीआई की टीम सुबह करीब 5:30 बजे कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकली पुलिस चौकी के निकट स्थित एक मकान पर पहुंची और जांच शुरू की। कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई।

सूत्रों के अनुसार, सीबीआई ने पवन कुमार मालवीय के आवास पर दस्तावेजों और अन्य अभिलेखों की जांच की। टीम ने कई महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र कीं और मामले से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की। जांच के

दौरान स्थानीय पुलिस को भी आवश्यक सहयोग के लिए अलर्ट रखा गया था।

यह पूरी कार्रवाई सीबीआई की डीआईजी शिवानी तिवारी के निर्देशन में की गई। अयोध्या में करीब ढाई घंटे तक चली जांच के बाद सुबह लगभग 8 बजे टीम वहां से रवाना हो गई। हालांकि, सीबीआई अधिकारियों ने जांच से जुड़े किसी भी बिंदु पर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

अदालत के निर्देश पर जांच कर रही सीबीआई

बताया जा रहा है कि अमेठी के वित्त एवं लेखा विभाग में हुए करोड़ों रुपए के कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में अदालत के निर्देश पर सीबीआई जांच कर रही है। इसी क्रम में एजेंसी ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में एक साथ कार्रवाई की। अयोध्या के अलावा अमेठी, लखनऊ, प्रतापगढ़ और कुशीनगर में भी सीबीआई की टीमों ने संबंधित लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की।

लखनऊ में नीट की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ। लखनऊ के बाजारखाला थाना क्षेत्र में 17 साल की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। छात्रा ने नीट पेपर दिया था। एग्जाम कैंसिल होने की वजह से डिप्रेशन में चल रही थी। पुलिस में शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

मूल रूप से बिहार पटना के रहने वाले रंजीत यादव रेलवे में टीटी के पद पर तैनात हैं। वह अपने परिवार के साथ रेलवे कॉलोनी ऐशबाग में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया बेटी शिवानी यादव (17) ने 12वीं पास की थी। इसके बाद नीट का एग्जाम दिया था। उसका एग्जाम काफी अच्छा हुआ था लेकिन एग्जाम कैंसिल होने की वजह से डिप्रेशन में चल रही थी।

बुधवार सुबह अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह शिवानी की मां कमरे में बुलाने पहुंची। काफी बार दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

पत्नी ने लगाई फांसी, फौजी पति भी फंदे से झूला

आत्महत्या

उन्नाव में पत्नी, कोलकाता में पति का शव बरामद, सुसाइड नोट- हमारी ही मिसअंडरस्टैंडिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। यूपी के उन्नाव में पत्नी ने फांसी लगाकर सुसाइड कर ली। जैसे ही इसकी जानकारी कोलकाता में तैनात फौजी पति को मिली तो वह पत्नी की मौत का गम बर्दाश्त नहीं कर सका और उसने भी अपने कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। महज 12 घंटे के अंतराल में पति–पत्नी की मौत हो गई।

हालांकि ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि महिला की मौत हार्टअटैक से हुई है, पर मायके पक्ष का दावा है कि गले पर फंदे के निशान पाए गए हैं। मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न और दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पति के शव का इंतजार किया जा रहा है। शव पहुंचने के बाद दोनों का

फौजी पति शैलेंद्र-पत्नी साधना

एक साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस मायके पक्ष के आरोपों पर मामले की जांच कर रही है। उन्नाव जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर बीघापुर थाना क्षेत्र के दादामऊ गांव निवासी शैलेंद्र पुत्र राजेंद्र कुमार की शादी करीब 10 वर्ष पहले कानपुर नगर के चकेरी निवासी अशोक कुमार की बेटी साधना पांडेय से हुई थी। परिवार में 8 वर्षीय बेटी सांवी और 5 वर्षीय बेटा यथार्थ हैं। शैलेंद्र भारतीय सेना में तैनात थे और वर्तमान में पश्चिम बंगाल के कोलकाता में ड्यूटी कर रहे थे। जबकि पत्नी–बच्चे और माता–पिता परिवार गांव में रहते हैं। मंगलवार रात करीब 8:00 बजे साधना पांडेय ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की

ससुरालियों पर हत्या का आरोप, बच्चों की कस्टडी मांगी

मृतका के भाई अनुज मिश्रा ने बहन की मौत को संदिग्ध बताते हुए ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मेरी भांजी ने बताया है कि घटना के समय घर में मौजूद कुछ लोगों ने पहले उसकी मां का गला दबाया और बाद में फंदे से लटका दिया। अनुज ने सास, ससुर, जेठ और ननद पर शक जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस जांच में हत्या की पुष्टि होती है तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने दोनों बच्चों की कस्टडी उन्हें दिए जाने की मांग भी की है।

जानकारी मृतका के भाई अनुज मिश्रा को मिली। उन्होंने बताया– शाम करीब 8:30 बजे बहनोई का फोन आया था और बताया गया कि उनकी बहन की मौत हो गई है। अनुज अपने बड़े भाई अजय मिश्रा के साथ तत्काल दादामऊ पहुंचे। उनका आरोप है कि मौके पर पहुंचने पर साधना का शव घर के बाहर बर्फ की सिल्ली पर रखा मिला।

बीघापुर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बतायाझ्र महिला की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। पति की आत्महत्या की सूचना भी प्राप्त हुई है। दोनों मामलों की कड़ियों को जोड़कर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से मिले साक्ष्य और परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की मौत के बाद कोलकाता में फौजी ने लगाई फांसी

साधना की मौत की सूचना मिलने के बाद कोलकाता में तैनात उनके पति शैलेंद्र गहरे सदमे में आ गए। बुधवार सुबह करीब 8 बजे उनकी भी फंदे से लटककर आत्महत्या करने की सूचना परिवार को मिली। आत्महत्या से पहले शैलेंद्र ने कानपुर में रहने अपने एक रिश्तेदार को ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी है।

पीएम मोदी के 12 वर्ष पर प्रदर्शनी

विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के निराला प्रेक्षागृह में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित हुआ। इसमें सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधान परिषद सदस्य और पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह ने दीप प्रज्वलित कर और फीता काटकर किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत

वृक्षारोपण भी किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार ने विकास, विश्वास और जनकल्याण को प्राथमिकता देते हुए अनेक योजनाओं को लागू किया है, जिनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

जमीन विवाद पर दो पक्षों में मारपीट

उन्नाव। उन्नाव के मौरावां थाना क्षेत्र के पारा गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। भैंस बांधने को लेकर शुरू हुआ यह विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला किया, सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और घायल हुए लोगों को मौरावां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में उपचार के लिए भर्ती कराया।

बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता शिविर आयोजित

हरदोई। हरदोई में 'विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस' के अवसर पर बुधवार को बिलग्राम तहसील सभागार में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई की अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश रीता कौशिक और सचिव काव्या सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। तहसील विधिक सेवा समिति के सचिव व तहसीलदार यशवंत सिंह के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील प्रशासनिक अधिकारी श्रीमती साधना सिंह ने की।

फसल क्षति पर बीमा दावा

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल क्षति की सूचना देने और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। हाल ही में असामयिक वर्षा और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के बाद, सरकार ने किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए त्वरित और पारदर्शी निपटान का निर्णय लिया है।

हरियावां सीएचसी में स्वास्थ्य मेला शुरू

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने योजनाओं की जानकारी दी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सोमवार को हरियावां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में स्वास्थ्य मेला और जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया और आमजन को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के

लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि गरीब, किसान, महिला, युवा और जरूरतमंद वर्ग को बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ मिले। स्वास्थ्य मेले और जनकल्याण शिविरों का आयोजन इसी उद्देश्य से किया जा रहा है, ताकि लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को नजरअंदाज न करें और नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

चलती बाइक से अधेड़ को खींचा

जमीन विवाद में लाठी-डंडों और बेल्ट से बेरहमी से पीटा, हालत गंभीर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के कछौना कोतवाली क्षेत्र में जमीन विवाद के चलते एक अधेड़ किसान पर जानलेवा हमला किया गया। दबंगों ने चलती बाइक से उनका कॉलर पकड़कर नीचे खींच लिया और लाठी-डंडों व बेल्ट से बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल किसान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह घटना मंगलवार रात की है। बरुआ हार गांव निवासी 57 वर्षीय इंद्रजीत पाल पेशे से किसान हैं। उनके पुत्र जगतराम पाल ने बताया कि गांव में उनकी डेढ़ बीघा पट्टे की जमीन है, जिस पर गांव के ही एक पिता-पुत्र सहित तीन लोग अवैध कब्जा करना चाहते हैं। जगतराम के अनुसार, 1 जून को राजस्व टीम

(लेखपाल और कानूनगो) की मौजूदगी में जमीन की पैमाइश भी हो चुकी है। इस कार्रवाई से बौखलाए आरोपी लगातार उनसे रंजिश रख रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएस चंद्र कुमार ने स्वयं घायल का हालचाल जाना। परिजनों का कहना है कि वे पहले इंद्रजीत का इलाज करा रहे हैं, जिसके बाद कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ सख्त तहरीर देंगे।

बाइक से इंद्रजीत का कॉलर पकड़कर खींचा

मंगलवार रात जब इंद्रजीत संडीला से बाइक द्वारा अपने गांव लौट रहे थे, तभी भूढ़खेड़ा और गनौरा गांव के बीच घात लगाए बैठे तीनों आरोपियों ने उन्हें रोका। उन्होंने चलती बाइक से इंद्रजीत का कॉलर पकड़कर खींचा, जिससे वह सड़क पर गिर पड़े।

इसके बाद आरोपियों ने उन्हें लाठी-डंडों और बेल्ट से मरणासन्न होने तक पीटा। इंद्रजीत की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटे, जिन्हें देखकर हमलावर भाग निकले।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने इंद्रजीत को तुरंत कछौना सीएचसी में भर्ती कराया। उनकी हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमएस चंद्र कुमार ने स्वयं घायल का हालचाल जाना। परिजनों का कहना है कि वे पहले इंद्रजीत का इलाज करा रहे हैं, जिसके बाद कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ सख्त तहरीर देंगे।

चोरों ने तीन घरों को बनाया निशाना

सीतापुर। सीतापुर के तंबौर थाना क्षेत्र के भानीपुर गांव में मंगलवार को देर रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाकर पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे दी। चोरों ने एक घर में लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया, जबकि दो अन्य घरों में ग्रामीणों के जाग जाने से उनकी कोशिश नाकाम हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार भानीपुर निवासी जगदीश गुप्ता पुत्र नेकराम गुप्ता के परिवार के लोग रात में घर के अंदर सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर खिड़की के रास्ते घर में घुस गए। चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर अलमारी में रखे करीब 40 हजार रुपये नकद, सोने-चांदी के लाखों रुपयों के आभूषण तथा गृहस्थी का अन्य सामान चोरी कर लिया। सुबह जब परिवार के लोगों की नींद खुली तो घर का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी का ताला टूटा हुआ मिला। चोरी की जानकारी होते ही परिवार में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है।

ऑटो-बाइक भिड़ंत, मां-बेटे समेत 6 घायल

दो की हालत गंभीर, जिला अस्पताल रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के फतेहपुर-सूरतगंज मार्ग पर बुधवार सुबह गणेश पुरवा गांव के पास सीएनजी ऑटो और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में मां-बेटे समेत छह लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो सड़क किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पीआरबी पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। 108 और 102 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फतेहपुर ले जाया गया। दुर्घटना में बाइक सवार रिंकी शुक्ला (35) और उनके पुत्र आंचल शुक्ला (18), निवासी कुड़वा बल्लोपुर, मोहम्मदपुर खाला गंभीर रूप से घायल हो गए। ऑटो में सवार अनस (18) निवासी मिर्दही मोहल्ला, फतेहपुर,

कंगना (32) और उनका छह वर्षीय पुत्र शुभम निवासी एंडौरा, तथा ऑटो चालक शरीफ (50) निवासी सूरतगंज भी घायल हुए हैं।

सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने रिंकी शुक्ला और आंचल शुक्ला की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अनस और ऑटो चालक शरीफ का उपचार सीएचसी में चल रहा है, जबकि कंगना और शुभम को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे की सूचना मिलने पर घायलों के परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया, क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात सुचारु कराया। सीएचसी फतेहपुर के चिकित्सक डॉ. अवधेश कौशल ने बताया कि दो घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। अन्य घायलों को आवश्यक चिकित्सीय सहायता प्रदान की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गैंगस्टर आरोपी की 33.96 लाख की संपत्ति कुर्क

पुलिस ने प्लॉट और टोयोटा इनोवा कार जब्त की

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के एक आरोपी की लगभग 33.96 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क की है। कोतवाली देहात पुलिस ने यह कार्रवाई करते हुए आरोपी के नाम दर्ज एक प्लॉट और टोयोटा इनोवा कार को गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत जब्त किया। पुलिस अधीक्षक हरदोई के निर्देश पर अपराधियों और गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्तों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में, 17 जून 2026 को कोतवाली देहात पुलिस ने कोतवाली शहर थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में नामजद आरोपी कुलदीप अग्रवाल उर्फ गुड्डू कुमार अग्रवाल के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक,

आरोपी कुलदीप अग्रवाल उर्फ गुड्डू कुमार अग्रवाल, निवासी विश्राम भवन, रेलवेगंज, कोतवाली शहर, हरदोई ने आपराधिक गतिविधियों से अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की थी। जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर उसकी संपत्तियों को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किया गया। कुर्क की गई संपत्तियों में कोतवाली देहात क्षेत्र के बेहटी चौराहा स्थित लगभग 1800 वर्ग फीट के चार प्लॉट शामिल हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 13 लाख 96 हजार 350 रुपये है। इसके अतिरिक्त, आरोपी की टोयोटा इनोवा कार (संख्या यूपी-32-एनएक्स-8111) भी जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये है। दोनों संपत्तियों की कुल अनुमानित कीमत 33 लाख 96 हजार 350 रुपये है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के खिलाफ कोतवाली शहर थाने में हत्या के प्रयास, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। उसके विरुद्ध पहले भी गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की जा चुकी है। कुर्की की यह कार्रवाई नायब तहसीलदार हरदोई सदर देवेंद्र नाथ, लेखपाल अजय कुमार श्रीवास्तव और कोतवाली देहात पुलिस टीम की मौजूदगी में हुई।

हादसा : ओवरहाइट भरी गन्ने की खोई जलकर राख, दमकल कर्मियों ने एक घंटे में बुझाई आग

हाईटेंशन लाइन से ट्रैक्टर-ट्रॉली में लगी आग

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। बिसवां नगर स्थित शुगर मिल के पास बुधवार दोपहर गन्ने की खोई (बगास) से लदी एक ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गई। बिजली के तार के संपर्क में आते ही ट्रॉली में आग लग गई और कुछ ही देर में उसमें लदी पूरी खोई धू-धू कर जलने लगी। आग की ऊंची लपटों और धुएं के गुबार से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगते ही चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट

गए। स्थानीय लोगों की मदद से आग को फैलने से रोका गया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो आसपास के क्षेत्र में बड़ा नुकसान हो सकता था।

दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई के चलते आग पर नियंत्रण पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि या चोट की सूचना नहीं है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है तथा फरार चालक की तलाश की जा रही है। वहीं, हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। आग को फैलने से रोकने के लिए जल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को शुगर फैक्ट्री के यार्ड में ले जाकर खड़ा किया गया।

ऊंचाई अधिक होने से बिजली तार से हुआ संपर्क

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली शुगर मिल क्षेत्र से गुजर रही थी। ट्रॉली में क्षमता से अधिक मात्रा में खोई लदी होने के कारण उसकी ऊंचाई काफी बढ़ गई थी। इसी दौरान वह ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। संपर्क होते ही चिंगारी निकली और सूखी खोई ने तुरंत आग पकड़ ली।

पुलिस कर रही जांच, चालक की तलाश जारी

घटना की सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि आग पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया गया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है तथा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद काफी देर तक मौके पर लोगों की भीड़ जुटी रही।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

रायबरेली। रायबरेली जिले के गदागंज थाना क्षेत्र में दाउदपुर गढ़ई ग्राम पंचायत के पास रेलवे लाइन के किनारे आज सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय ग्रामीणों ने सुबह खेतों की ओर जाते समय रेलवे ट्रैक के किनारे शव पड़ा देखा। ग्रामीणों ने तत्काल गदागंज थाने को इसकी सूचना दी। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से मृतक की पहचान चारुहार जियायक गांव निवासी 32 वर्षीय पप्पू पुत्र बैजनाथ के रूप में हुई। गदागंज थाना के कार्यवाहक प्रभारी वीरेंद्र यादव ने बताया कि शव की शिनाख्त हो चुकी है और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मृतक के परिजनों से पूछताछ कर रही है कि युवक रेलवे ट्रैक तक कैसे पहुंचा। थाना प्रभारी के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

झील किनारे मिली युवती की लाश

3 दिन बाद भी नहीं लगा सुराग, बॉडी पर कट और चोट के निशान

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र में सरैया झील के किनारे मिली अज्ञात युवती की लाश का मामला तीन दिन बाद भी रहस्य बना हुआ है। पुलिस, फॉरेंसिक टीम और जांच में लगी विशेष टीमें लगातार पड़ताल कर रही हैं, लेकिन अभी तक न तो शव की शिनाख्त हो सकी है और न ही घटना से जुड़ा कोई ठोस सुराग हाथ लग पाया है। युवती के शरीर पर मिले चोट और चेहरे पर कट के निशान मामले को और अधिक संदिग्ध बना रहे हैं। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब सात बजे स्थानीय ग्रामीणों ने सरैया झील के किनारे एक युवती का शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची

और घटनास्थल को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। बाद में फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में युवती के गले और चेहरे पर कट के निशान पाए गए, जिसके बाद पुलिस हत्या की आशंका को केंद्र में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल भी सोमवार देर रात घटनास्थल पर पहुंचे थे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे।

सम्पादकीय

जी-7 की बैठक

फ्रांस में जी-7 की बैठक के चलते विश्व का ध्यान उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और लोकतंत्र वाले देशों के इस संगठन की ओर जाना स्वाभाविक है। वैसे तो इस संगठन के सदस्य देशों में अमेरिका के अतिरिक्त ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान भी शामिल हैं, लेकिन कुल मिलाकर इस पर अमेरिका का ही दबदबा रहता है।

प्रति वर्ष जब भी जी-7 देशों की बैठक होती है तो यह संगठन चर्चा में तो आता है, लेकिन अभी तक का अनुभव यही बताता है कि वह कोई विशेष प्रभाव नहीं छोड़ पाता। इस बार भी ऐसा ही हो तो हैरत नहीं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सदस्य देशों को सहयोगी कम, अपना अनुयायी अधिक समझते हैं। राष्ट्रपति के रूप में अपने इस दूसरे कार्यकाल में उन्होंने करीब-करीब सभी सदस्य देशों के साथ टैरिफ और अन्य मामलों में मनमाना व्यवहार किया है।

कुछ सदस्य देशों के साथ तो उन्होंने बहुत ही बुरा बर्ताव किया है। उनके अपनी ही चलाने वाले रवैये के कारण अमेरिका के अन्य देशों के साथ मतभेद बढ़े हैं। इसे देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि यह संगठन टैरिफ, जलवायु परिवर्तन, एआइ के उचित उपयोग आदि के मामले में किसी सहमति पर पहुंच कर ऐसे कोई निर्णय ले पाएगा, जो विश्व की समस्याओं के समाधान में सहायक बनेंगे।

यह एक तथ्य है कि आपसी मतभेदों के कारण ही जी-7 संगठन न तो रूस-यूक्रेन युद्ध को थाम पाया और न ही पश्चिम एशिया संकट समेत अन्य वैश्विक समस्याओं को समय रहते सुलझा सका। इस बार बैठक का एक प्रमुख एजेंडा व्यापारिक असंतुलन दूर करना भी है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस असंतुलन का एक बड़ा कारण तो खुद अमेरिका है।

ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने सदस्य देशों के साथ ही अन्य कई देशों पर जैसी धौंस जमाने की कोशिश की है, उसकी मिसाल मिलना कठिन है। चूंकि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी भारतीय प्रधानमंत्री को मेहमान के रूप में इस संगठन में आमंत्रित किया गया है, इसलिए भारत के साथ विकासशील एवं निर्धन देशों का ध्यान भी इस बैठक की ओर जाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने इन देशों की आकांक्षाओं को रेखांकित करने की बात कही है।

वे पहले भी ऐसा करते रहे हैं। जी-7 बैठक के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से अलग से मुलाकात होने के चलते यह भी विशेष रूप से देखना होगा कि दोनों देशों के संबंधों में व्यापक सुधार का रास्ता साफ होता है या नहीं? यदि अमेरिका इस संगठन को प्रभावी बनाना चाहता है तो उसे सदस्य देशों के साथ समानता का व्यवहार करना होगा। निःसंदेह ऐसी ही अपेक्षा भारत और अन्य मेहमान देशों की भी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति को यह आभास होना चाहिए कि अब अमेरिका पहले जितना सक्षम नहीं रहा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस, लोकतंत्र और जवाबदेही का प्रश्न मोदी सरकार के 12 वर्षों का संतुलित मूल्यांकन

> अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और अन्य विकसित लोकतंत्रों में नियमित प्रेस ब्रीफिंग और प्रेस कॉन्फ्रेंस की परंपरा रही है। वहां प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति कठिन सवालों से बचने के बजाय उनका सामना करते हैं। इससे जनता का विश्वास बढ़ता है और लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होती हैं।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी जनता है और जनता की आवाज़ को सत्ता तक पहुंचाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम स्वतंत्र मीडिया है। मीडिया और सरकार के बीच संवाद का सबसे प्रभावी औजार प्रेस कॉन्फ्रेंस को माना जाता रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान का मंच नहीं होती, बल्कि यह सत्ता से सवाल पूछने, नीतियों की पड़ताल करने और जनता के प्रति सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा होती है।

हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर तेजी से वायरल हुई जिसमें विभिन्न भारतीय प्रधानमंत्रियों द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंसों की संख्या दर्शाई गई है। इस तस्वीर के अनुसार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 144, जवाहरलाल नेहरू ने 75, राजीव गांधी ने 62, लाल बहादुर शास्त्री ने 56, अटल बिहारी वाजपेयी ने 55, इंदिरा गांधी ने 42, पी.वी. नरसिम्हा राव ने 40 और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शून्य प्रेस कॉन्फ्रेंस की हैं।

यह आंकड़ा अपने आप में एक गंभीर बहस को जन्म देता है। प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में लोकतंत्र में प्रेस कॉन्फ्रेंसों की संख्या किसी सरकार की लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का पैमाना हो सकती है? या फिर बदलते समय में संवाद के नए माध्यमों ने पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंसों का स्थान ले लिया है? इस बहस को राजनीतिक पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर निष्पक्षता से देखने की आवश्यकता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस का लोकतांत्रिक महत्व

लोकतंत्र में सत्ता जनता की होती है और सरकार जनता की प्रतिनिधि मात्र होती है। ऐसे में सरकार का दायित्व है कि वह अपने निर्णयों, नीतियों और विफलताओं के बारे में जनता को जानकारी दे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकार सीधे सवाल पूछते हैं और सरकार को तत्काल उत्तर देना पड़ता है। यही प्रक्रिया जवाबदेही को मजबूत बनाती है। भारत में भी जवाहरलाल नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह तक पत्रकारों के साथ खुला संवाद लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा रहा है।

नरेंद्र मोदी और संवाद का बदलता मॉडल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थक तर्क देते हैं कि संवाद का स्वरूप बदल गया है। उनका कहना है कि मोदी ने पारंपरिक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बजाय सीधे जनता से संवाद का मॉडल अपनाया है। ₹मन की बात₹, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, जनसभाएं, डिजिटल कार्यक्रम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सरकारी पोर्टलों के माध्यम से प्रधानमंत्री लगातार जनता तक अपनी बात पहुंचाते रहे हैं।

उनका यह भी कहना है कि आज के दौर में सूचना प्रौद्योगिकी ने संचार के नए रास्ते खोल दिए हैं। इसलिए केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस की संख्या को लोकतांत्रिक जवाबदेही का एकमात्र पैमाना नहीं माना जाना चाहिए।

लेकिन आलोचकों का प्रश्न है कि एकतरफा संवाद और सवाल-जवाब आधारित संवाद में अंतर होता है। ₹मन की बात₹ में जनता सवाल नहीं पूछ सकती। सोशल मीडिया पोस्ट में पत्रकार प्रतिप्रश्न नहीं कर सकते। इसलिए प्रेस कॉन्फ्रेंस का विकल्प पूरी तरह तैयार नहीं हुआ है।

क्या वास्तव में मोदी ने कभी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की?

तकनीकी दृष्टि से यह दावा विवादास्पद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में स्वतंत्र रूप से पत्रकारों के प्रश्नों का सामना करने वाली पूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की है हालांकि चुनावी अभियानों और विदेशी दौरों के दौरान संयुक्त प्रेस कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति रही है।

फिर भी व्यापक धारणा यही बनी कि प्रधानमंत्री ने खुली प्रश्नोत्तर शैली की प्रेस कॉन्फ्रेंस से दूरी बनाए रखी है। यही कारण है कि यह मुद्दा राजनीतिक और बौद्धिक बहस का विषय बना हुआ है।

मोदी सरकार के 12 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियां

किसी भी सरकार का मूल्यांकन केवल एक पहलू से नहीं किया जा सकता। यदि प्रेस कॉन्फ्रेंस लोकतांत्रिक जवाबदेही का पैमाना है, तो नीतिगत उपलब्धियां और प्रशासनिक सुधार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

1.आधारभूत संरचना का अभूतपूर्व विस्तार

सड़क, रेल, एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट, मेट्रो और बंदरगाहों के निर्माण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

राष्ट्रीय राजमार्गों का तेजी से विस्तार हुआ। वंदे भारत ट्रेनों का संचालन शुरू हुआ। कई नए हवाई अड्डे बने और क्षेत्रीय संपर्क योजना को बढ़ावा मिला।

2. डिजिटल क्रांति

डिजिटल इंडिया अभियान ने शासन व्यवस्था को नई दिशा दी।

यूपीआई ने भुगतान प्रणाली में क्रांति ला दी। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। सरकारी योजनाओं के लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने में डीबीटी व्यवस्था प्रभावी साबित हुई।

3. वित्तीय समावेशन

जनधन योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों के बैंक खाते खुले।

पहले जो लोग औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से बाहर थे, वे वित्तीय मुख्यधारा में शामिल हुए।

4. सामाजिक कल्याण योजनाएं

उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, हर घर जल, पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का व्यापक प्रभाव देखने को मिला।

इन योजनाओं ने गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के जीवन स्तर में सुधार का प्रयास किया।

5. विदेश नीति में सक्रियता

भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी।जी-20 की अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की सक्रिय भूमिका और रणनीतिक साझेदारियों का विस्तार मोदी सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में गिना जाता है।

6. राष्ट्रीय सुरक्षा

उरी और पुलवामा हमलों के बाद सर्जिकल स्ट्राइक तथा बालाकोट एयर स्ट्राइक को सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के रूप में प्रस्तुत किया।

सीमा सुरक्षा और रक्षा आधुनिकी-करण पर भी विशेष बल दिया गया।

7. अनुच्छेद 370 और तीन तलाक

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना और तीन तलाक कानून लागू करना मोदी सरकार के वैचारिक एजेंडे की बड़ी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

जहां उपलब्धियां हैं, वहीं आलोचनाएं भी हैं।

अशोक कुमार झा

आचार्य श्री भिक्षु के दृष्टांतों से दया समझें

परिवर्तन की चाह में आज जो मिटता हैं उससे अधिकतर लोग जिस किसी स्थिति में है, उससे संतुष्ट नहीं है । लोग परिवर्तन चाहते है और परिवर्तन भी ऐसा की जैसा उससे बेहद बेहतर अब है। पर उन लोगों को इस बात का भी स्मरण रहना चाहिए कि परिवर्तन खुद अपने आप में असंतुष्ट है, यदि वो संतुष्ट होती तो निरन्तरता से चलायमान न रहती। ये ध्यान रहे जो कुछ है अभी वो सब बेहद महत्वपूर्ण है, यदि ऐसा न स्वीकारा तो कभी भी न वर्तमान क्षण के सम्भावनाओं, उपलब्धि, सुन्दरता, अनुपमाता, विशेषता आदि - आदि का आभास कर सकोगे। अहिंसा , संयम और तप महान धर्म हैं । आचार्य श्री भिक्षु को हमारा नमन हैं जिन्होंने अपने हर पगपग पर, संघर्षों का पथ स्वीकारा हैं । आचार्य श्री भिक्षु ने धर्म जो दया के रूप में हैं, उसका विश्लेषण किया हैं । पाप आचरण से आत्मा की रक्षा करना लोकोत्तर दया हैं, आध्यात्मिक दया हैं। दया को समझाने की दृष्टि से तीन दृष्टांतों को काम में लिया जा सकता हैं । कैसे एक चोर साधुओं के पास चोरी करने का त्याग करता हैं और उसकी आत्मा चोरी के पाप से बच जाती हैं साथ में सेठ का धन भी बच जाता हैं । एक बकरें को मारने वाले कसाईं को संतों ने उपदेश दिया , बकरों को मारने का त्याग कराया तो उसकी आत्मा का कल्याण हुआ , हिंसा परित्यक्त हुईं और बकरों की जान भी बच गईं । यहां हम दया की दृष्टि से ध्यान दें तो साधुओं ने जो प्रयास किया उससे चोरों की आत्मा सुधरी , कसाईं ने बकरे मारने का त्याग किया ये दोनों लोकोत्तर दया हुईं । वह साथ में सेठ का धन बचने और बकरों की जान बचने का कार्य भी हुआ हैं । साधुओं का उद्देश्य केवल आत्मा के कल्याण का था ।

› प्रदीप छाजेड़

यह अवसर केवल...

ललित गर्ग

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है। जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान-इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे। यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है। आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है।

भारत में यह ...

डॉ. शैलेश शुक्ला

आखिर क्यों राजनीतिक विकल्प की निरंतर तलाश में हैं भारतीय नागरिक

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहाँ चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे जनता की मनःस्थिति, अपेक्षाओं, निराशाओं और आकांक्षाओं का सामूहिक प्रतिबिंब भी होते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रवृत्ति लगातार दिखाई दे रही है — जनता पारंपरिक राजनीतिक दलों से परे नए विकल्पों की तलाश कर रही है। कभी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बीच "आम आदमी पार्टी" तेजी से उभरती है, कभी दक्षिण भारत में अभिनेता विजय की "टीवीके" नई पीढ़ी की उम्मीद बनती दिखाई देती है, और कभी सोशल मीडिया पर "कॉकरोच जनता पार्टी" जैसे व्यंग्यात्मक अभियान लाखों लोगों का ध्यान आकर्षित करने लगते हैं। यह केवल राजनीतिक प्रयोगों की कहानी नहीं है, बल्कि उस गहरे सामाजिक और मनोवैज्ञानिक असंतोष का संकेत है जो भारतीय समाज के भीतर धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। लोकतंत्र में जनता हमेशा परिवर्तन चाहती है, लेकिन जब यह परिवर्तन की इच्छा लगातार बेचैनी और असंतोष में बदलने लगे, तब यह केवल राजनीतिक घटना नहीं रहती, बल्कि सामाजिक चेतावनी बन जाती है। भारत का मतदाता आज पहले की तुलना में अधिक जागरूक, अधिक सूचनासंपन्न और अधिक अधीर हो चुका है। वह केवल भाषणों और नारों से संतुष्ट नहीं होता। वह अपने जीवन में वास्तविक बदलाव देखना चाहता है। यदि उसे लगता है कि उसकी समस्याएँ लगातार बनी हुई हैं, तो वह नए विकल्पों की ओर देखने लगता है। यही कारण है कि भारतीय राजनीति में स्थायी राजनीतिक निष्ठा धीरे-धीरे कमजोर हो रही है और मतदाता समय-समय पर नए चेहरों, नए आंदोलनों और नए प्रतीकों की ओर आकर्षित होता दिखाई देता है।

भारत में यह स्थिति अचानक उत्पन्न नहीं हुई। इसके पीछे लंबे समय से जमा होती सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक निराशाएँ हैं। बेरोजगारी आज देश के सबसे बड़े संकटों में से एक बन चुकी है। लाखों शिक्षित युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन सीमित अवसरों और अनिश्चित व्यवस्थाओं के कारण निराशा का सामना करते हैं। अनेक युवाओं को यह महसूस होता है कि शिक्षा प्रणाली उन्हें रोजगार योग्य नहीं बना पा रही। दूसरी ओर महँगाई, अस्थिर रोजगार, छोटे व्यापारों की चुनौतियाँ और बढ़ती आर्थिक असमानता मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के भीतर गहरी बेचैनी पैदा कर रही हैं। जनता यह देखती है कि राजनीतिक दल चुनावों में बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन आम नागरिक के जीवन में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाता। यही निराशा धीरे-धीरे वैकल्पिक राजनीति की तलाश में बदल जाती है। "आम आदमी पार्टी" का उदय इसी जनभावना का परिणाम था। 2011 के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान देशभर में व्यवस्था के प्रति असंतोष खुलकर सामने आया। जनता को लगा कि पारंपरिक राजनीतिक दल भ्रष्टाचार के प्रश्न पर गंभीर नहीं हैं। इसी वातावरण में "आम आदमी पार्टी" ने स्वयं को व्यवस्था परिवर्तन के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। दिल्ली की राजनीति में उसकी तेज सफलता ने यह साबित किया कि यदि जनता को नया विकल्प विश्वसनीय लगता है, तो वह पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों को भी बदल सकती है।

जरा हटके

युद्ध अत्यंत भीषण ...

डॉ अर्पित शर्मा

हल्दीघाटी का रक्तरंजित इतिहास और अकबर सल्तनत की लगातार शिकस्त

अक्सर आधुनिक और तथाकथित इतिहासकार मेवाड़ के मुगलों के साथ संघर्ष को केवल हल्दीघाटी तक सीमित कर उसे महाराणा प्रताप की हार और त्याग की कथा के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जबकि वास्तविकता यह है कि हल्दीघाटी महाराणा प्रताप के संघर्ष का अंत नहीं, बल्कि स्वाधीनता और मुगल साम्राज्य के विरुद्ध दीर्घकालीन प्रतिरोध की रक्तरंजित शुरुआत थी । यह युद्ध अकबर की विशाल सल्तनत के सामने मेवाड़ के अदम्य आत्मसम्मान, स्वतंत्र चेतना और अस्वीकार की उद्घोषणा था । युद्ध से पूर्व अकबर ने मेवाड़ को अधीन करने और महाराणा प्रताप को झुकाने के लिए चार दूत जलाल खां (1572), मान सिंह (1573), भगवान दास (1573) और टोडरमल (1573) भेजे, किन्तु महाराणा प्रताप ने स्पष्ट कर दिया कि मेवाड़ की अस्मिता किसी साम्राज्य की अधीनता स्वीकार नहीं करेगी । आइए इस ऐतिहासिक प्रक्षेपवक्र को समझते हैं ।

आज से 450 वर्ष पहले 18 जून 1576 अरावली की पर्वतमालाओं के बीच स्थित हल्दीघाटी की संकरी घाटी उस दिन रणभूमि में बदल चुकी थी। एक ओर था विशाल मुगल साम्राज्य और उसकी विस्तारवादी शक्ति, तो दूसरी ओर थे महाराणा प्रताप स्वाभिमान, स्वतंत्रता और मेवाड़ की अस्मिता के प्रतीक। सीमित संसाधनों , छोटी सेना ,अदम्य साहस, और रणकौशल के बल पर महाराणा प्रताप ने मुगल सेना को शिकस्त दी, उसने मुगल सल्तनत की विस्तारवादी महत्वाकांक्षा पर करारी चोट के रूप में स्थापित कर दिया । आज भी राजपूत वीरता, प्रतिरोध और स्वतंत्रता चेतना का सबसे प्रेरणा-दायक प्रतीक माना जाता है एक ऐसा संघर्ष जिसने यह सिद्ध कर दिया कि स्वाभिमान के लिए लड़ी गई लड़ाइयाँ केवल तलवारों से नहीं, बल्कि अदम्य इच्छाशक्ति से जीती जाती हैं। यह युद्ध महाराणा प्रताप के नेतृत्व में मेवाड़ की सेना और मुगल सेना के बीच लड़ा गया। संख्या और संसाधनों में अत्यंत कम होने के बावजूद महाराणा प्रताप ने अद्वितीय वीरता, नेतृत्व क्षमता और युद्ध कौशल का परिचय दिया। मुगल सेना में लगभग 85,000 सैनिक बताए जाते हैं, जिनमें लगभग 16,000 घुड़सवार, 8,000 तोपखाना , हाथियों की टुकड़ी तथा अन्य पैदल सैनिक, शामिल था। इसके विपरीत महाराणा प्रताप के पास लगभग 10000-12000 सैनिक, जिनमें 3,000–4,000 राजपूत घुड़सवार, सीमित हाथी, लगभग 3,000 भील योद्धा तथा हकीम खान सूरी के नेतृत्व में अफगान सैनिकों की टुकड़ी थी । वहीं महाराणा की सेना के पास मुगलों जैसी आधुनिक तोपें और बंदूकें नहीं थीं । अत्यंत भीषण, रोमांचकारी और अद्वितीय साहस से परिपूर्ण था। प्रारंभिक चरण से ही मेवाड़ की सेना ने आक्रामक रणनीति अपनाई। हरावल दस्ते का नेतृत्व कर रहे हकीम खान सूरी ने मुगल सेना पर इतना प्रचंड आक्रमण किया कि आरंभिक चरण में मुगल सेना लगभग सात किलोमीटर दूर मोलेला तक पीछे हटने को विवश हो गई। युद्ध अत्यंत रक्तरंजित और विनाशकारी था। मेवाड़ की सेना ने अपनी तीव्र गति, अरावली के पर्वतीय भूगोल की गहरी समझ और निकट युद्ध कौशल के आधार पर विशाल मुगल सेना को कड़ी चुनौती दी। गोवर्धन बोगसा, जो युद्ध के समय महाराणा प्रताप के साथ उपस्थित थे, उन्होंने अपनी रचना 'बहलोल वध' के अनुसार महाराणा प्रताप ने मुगल सेनापति बहलोल खान को एक ही वार में उसके घोड़े सहित मार गिराया, जिससे मुगल सेना में भय और भगदड़ फैल गई । मुगल दरबार के इतिहासकार अब्दुल कादिर बदायूंनी, जो मुगल सेना के साथ उपस्थित था, ने भी युद्ध की भयावहता और संघर्ष की तीव्रता का उल्लेख किया है । वर्णनों के अनुसार उसने लिखा कि मुगल सेना जान बचाती हुई लगभग 16 किलोमीटर दूर बनास नदी तक भागी । युद्ध के अंतिम क्षणों में महाराणा प्रताप अपने प्रिय और वीर अश्व चेतक को युद्ध भूमि में खो बैठे, जो भारतीय इतिहास और लोकस्मृति में आज भी जीवित है। हल्दीघाटी के बाद संघर्ष समाप्त नहीं हुआ, बल्कि यहीं से मेवाड़ और मुगल साम्राज्य के बीच लंबे प्रतिरोध का वास्तविक आरंभ हुआ । हल्दीघाटी में मिली हार और नुकसान से अकबर अत्यंत क्रोधित हुआ और उसने महाराणा प्रताप को अधीन करने के लिए लगातार कई प्रयास किए । 1577 से 1582 के बीच मुगलों ने बार-बार मेवाड़ पर विशाल सेनाओं के साथ आक्रमण किए। प्रत्येक वर्ष लगभग 60,000 से 100,000 सैनिकों की सेनाएँ मेवाड़ की ओर भेजी गईं । एक अवसर पर स्वयं अकबर भी विशाल सेना लेकर बांसवाड़ा तक पहुँचा, किंतु वह महाराणा प्रताप को पराजित करने में असफल रहा । महाराणा प्रताप ने अरावली के दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों, जंगलों और स्थानीय भील समुदाय और जनजातीय सहयोग के आधार पर गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई। अरावली का भूगोल मेवाड़ की सबसे बड़ी सामरिक शक्ति बन गया। संकरी घाटियाँ, वन क्षेत्र और कठिन पर्वतीय मार्ग मुगल सेना की विशाल संरचना और भारी तोपखाने के लिए चुनौती सिद्ध हुए। यही कारण था कि संसाधनों की कमी के बावजूद मुगलों को कभी स्थायी नियंत्रण स्थापित करने में सफलता नहीं मिली। इस संघर्ष का निर्णायक मोड़ 1583 में दशहरे के अवसर पर हुए में आया, जिसे मेवाड़ के इतिहास की महानतम विजयों में माना जाता है। इस युद्ध में महाराणा प्रताप के साथ उनके पुत्र अमर सिंह प्रथम ने भी असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया।

दूल्हे की मां-बहन, 2 भाभियों समेत 6 की मौत

बदायूं में शादी का शगुन देने जा रही थीं, रेस लगा रहे ट्रैक्टर ने रौंदा

घटना

- हादसे के बाद महिलाओं की लाशें बीच सड़क पर बिखर गईं।
- सभी महिलाएं बेटे की शादी का शगुन देने जा रही थीं।
- हादसे में दूल्हे की मां-बहन और भाभी समेत 6 लोगों की मौत हुई है।

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। यूपी के बदायूं में बुधवार दोपहर सड़क हादसे में 6 महिलाओं की मौत हो गई। इनमें दूल्हे की मां, उसकी बहन, 2 भाभियां और एक पड़ोसी महिला शामिल हैं। हादसे में 3 लोग घायल भी हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बरेली-मथुरा हाईवे पर 2 ट्रैक्टर रेस लगा रहे थे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी और उसे रौंदते हुए निकल गया। महिलाएं ट्रैक्टर के पहियों के नीचे आ गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। करीब 10 फीट के दायरे में महिलाओं के शव सड़क पर बिखर गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे और घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसा उझानी कोतवाली क्षेत्र में हुआ। मृतकों की पहचान राजकुमारी (50), उनकी बेटी नारायणी (30), उनकी जेठानी रेवती (80), बहू गंगाश्री (30), सरला (32) और गांव की रहने वाली प्रेमावती (32) के रूप में हुई है। राजकुमारी के बेटे की 29 जून को शादी है। वह शगुन देने अपने मायके जा रही थीं।

सभी महिलाएं बेटे की शादी का शगुन देने जा रही थीं।

ई-रिक्शा पर 9 लोग सवार थे

मुरावन नगला गांव में रहने वाले डालचंद्र के बेटे कुंवरपाल की 29 जून को शादी है। डालचंद्र के 6 बच्चे हैं, जिसमें 5 की शादी हो चुकी है। घर में सबसे छोटे बेटे की शादी होनी थी। डालचंद्र की पत्नी राजकुमारी का मायका गठौना गांव में है।

शादी से पहले भात मांगने महिलाओं को गठौना गांव जाना था। इसके लिए उन्होंने गांव में ही रहने वाले सन्नी का ई-रिक्शा बुक किया। सन्नी ई-रिक्शे में 6 महिलाओं समेत कुल 8 लोगों को बैठाकर रवाना हुआ। बरेली-आगरा हाईवे इस समय बन रहा है। इसके चलते सिर्फ एक ही लेन चालू है। कासगंज से 2 ट्रैक्टर उझानी की मंडी समिति में मक्का लादकर आए थे। मक्का बेचकर वापस जाते समय दोनों आपस में रेस लगा रहे थे।

हादसे में इनकी गई जान

हादसे में दूल्हे की मां-बहन और भाभी समेत 6 लोगों की मौत हुई है।

प्रभारी मंत्री ने मरने वालों के परिजनों से की मुलाकात

प्रभारी मंत्री अरुण सक्सेना ने बताया कि बहुत ही दुखद घटना हुई है। घायलों का अच्छे से अच्छा इलाज करवाया जाएगा। महिलाओं के परिवार के साथ सहानुभूति हैं।

नीट परीक्षा को लेकर डीएम-एसपी ने की समीक्षा बैठक

शुचितापूर्ण आयोजन के लिए दिए कड़े निर्देश, डीएम ने कहा- एसओपी का पालन करें

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में आगामी 21 जून को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET) को शुचितापूर्ण, सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह तैयार है। बुधवार को जिलाधिकारी (डीएम) अनुनय झा और पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक कुमार मीणा ने कलेक्ट्रेट परिसर के स्वामी विवेकानंद सभागार में एक समीक्षा बैठक की। इसमें परीक्षा की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। डीएम अनुनय झा ने स्पष्ट किया कि परीक्षा एक संवेदनशील कार्य है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) का कड़ाई से पालन करने तथा गंभीरता व सतर्कता से अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। डीएम ने आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि गड़बड़ी या अनुचित साधनों के इस्तेमाल को रोकने के लिए सभी केंद्रों पर अनिवार्य रूप से जैमर और सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। इसके अतिरिक्त, परीक्षा केंद्रों पर बने क्लॉक रूम में परीक्षार्थियों के बैग की सघन तलाशी ली जाएगी। केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकानें और साइबर कैफे परीक्षा समाप्ति तक पूरी तरह बंद रहेंगे।

फास्ट न्यूज

महिला आयोग सदस्य ने गौरा सीएचसी का निरीक्षण किया

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा ने बुधवार को प्रतापगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गौरा का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं की जमीनी हकीकत परखी।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी अधीक्षक डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि सीएचसी में वर्तमान में चार चिकित्सक कार्यरत हैं और 30 बेड की सुविधा उपलब्ध है।

भाजपा कार्यालय में 'संकल्प से सिद्धि' सम्मेलन

अमेठी जिला। अमेठी के गौरीगंज स्थित भारतीय जनता पार्टी के जिला मुख्यालय पर संकल्प से सिद्धि सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन, सेवा और गरीब कल्याण को समर्पित 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम को मुख्य वक्ता डॉ. एम.पी. सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याण-कारी योजनाओं और राष्ट्र निर्माण के संकल्पों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किए हैं।

अमृत सरोवर पर योग दिवस से पहले योगाभ्यास

हरदोई। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) से पूर्व बावन ब्लॉक के ग्राम बेहटा सधई स्थित अमृत सरोवर पर एक योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) बावन, डॉ. राम प्रकाश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ आयुष मंत्रालय की योग शिक्षक टीम और हरदोई के वरिष्ठ योग शिक्षक व एडवोकेट हरिवंश सिंह ने भी शिरकत की।

बृजभूषण और विधायक बेटे को जान से मारने धमकी

कहा- तुम्हें और तुम्हारे पिता को खत्म कर देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके विधायक बेटे प्रतीक भूषण को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉलर ने प्रतीक भूषण के मोबाइल फोन पर कॉल किया। उसने कहा, "तुम्हें और तुम्हारे पिता को जान से मारने का इंतजाम हो चुका है। खुद को बचा सकते हो तो बचा लो।" विधायक को धमकी 14 जून को दी गई थी। विधायक ने तुरंत एसपी को इसकी जानकारी दी। प्रतीक के प्रतिनिधि अजय सिंह ने तुरंत पुलिस में लिखित शिकायत दी। पुलिस ने 15 जून को रात 11.52 बजे FIR दर्ज कर जांच शुरू की, तब जाकर मामला सामने आया। पुलिस जांच में सामने आया है कि कॉल करने वाला संदीप शर्मा राजस्थान का रहने वाला है। प्रतीक भूषण गोंडा सदर विधानसभा सीट से लगातार दूसरी बार विधायक हैं। उनके छोटे भाई करण भूषण कैसरगंज से भाजपा सांसद हैं। पिता बृजभूषण सिंह छह बार सांसद रह चुके हैं। इसके अलावा वे भारतीय कुश्ती संघ (WFI) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। बृजभूषण सिंह को Y+ श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है, जबकि विधायक बेटे प्रतीक की सुरक्षा में चार पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं। प्रतीक भूषण 14 जून को क्षेत्र के दौरे पर थे। दोपहर 2:22 बजे उनके निजी मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल रिसीव करते ही दूसरी तरफ से युवक ने कहा- क्या प्रतीक भूषण बोल रहे हो?

यूपी में अब 24 जून तक बंद रहेंगे प्राइमरी स्कूल

योगी सरकार ने बदली व्यवस्था, पहले 15 जून तक होती थी छुट्टी

- 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों में शिक्षक और छात्र सामूहिक योगाभ्यास करेंगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। योगी सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों में बड़ा बदलाव कर दिया है। बेसिक शिक्षा के अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया- अब परिषद और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में हर साल 20 मई से 24 जून तक गर्मी की छुट्टियां रहेंगी। पहले यह अवकाश 15 जून तक निर्धारित था। नई व्यवस्था के तहत प्रदेश के सभी बेसिक विद्यालय 25 जून से नियमित पढ़ाई के लिए खुलेंगे। हालांकि शिक्षकों, शिक्षा मित्रों, अनुदेशकों और कर्मचारियों को 22, 23 और 24 जून को स्कूल पहुंचकर जरूरी तैयारियां पूरी करनी होंगी। मंगलवार को ही परिषदीय और उच्च प्राथमिक स्कूलों की छुट्टियां खत्म हुई थीं। स्कूल खुलने पर बच्चों का रोली और टीका लगाकर शिक्षकों ने स्वागत किया। पहले स्कूलों में 20 मई से 15 जून तक गर्मी की छुट्टियां घोषित की गई थीं। कानपुर देहात में बीएसए ने कई स्कूलों को चेक किया। अपर मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों से कहा है कि स्थानीय स्तर पर अतिरिक्त अवकाश घोषित करने से पहले शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जाए। अधिनियम के अनुसार प्रारंभिक स्तर के विद्यालयों में एक शैक्षणिक सत्र के दौरान कम से कम 220 शिक्षण दिवस होना अनिवार्य है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के लाखों छात्रों को गर्मी से राहत मिलेगी, जबकि स्कूल प्रशासन को नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों के लिए अतिरिक्त समय भी मिल जाएगा।

योगी सरकार ने विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक कर लोगों का सहयोग लेने पर भी जोर दिया है। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों में शिक्षक और छात्र सामूहिक योगाभ्यास करेंगे।

बच्चों के आने से पहले स्कूल चमकाएंगे शिक्षक

शिक्षकों को विद्यालय खुलने से पहले परिसर, रसोईघर और शौचालयों की साफ-सफाई करानी होगी। इसके अलावा मिड-डे मील की तैयारी, किताबों का वितरण, लेसन प्लान तैयार करना, बिजली और पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करना, बाल वाटिका, स्मार्ट क्लास और आईसीटी लैब को संचालित करने योग्य बनाना और खेल सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया है।

> उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा, ग्रीष्म अवकाश शासन द्वारा बढ़ाए जाने का प्रदेश के शिक्षक एवं अभिभावक स्वागत करतें है। इस निर्णय से बच्चों को भीषण लू एवं धूप से राहत मिलेगी।

विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में जनभागीदारी की अहम भूमिका : केशव

12 वर्ष विश्वास के, विकास के और जनकल्याण के : उपमुख्यमंत्री ने विकास प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

कानपुर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित '12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' विषयक विकास प्रदर्शनी का मंगलवार को बृजेन्द्र स्वरूप पार्क कानपुर नगर में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों तथा मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के 9 वर्षों में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भर भारत और मजबूत आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। यह प्रदर्शनी सरकार की विकास यात्रा और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का संकल्प केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से पूरा होने वाला अभियान है। ऐसे आयोजन जनता को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों से जोड़ते हैं तथा उन्हें विकास यात्रा का सहभागी बनाते हैं। उन्होंने नागरिकों से प्रदर्शनी का अधिक से अधिक अवलोकन करने और विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने की अपील की। प्रदर्शनी के दौरान उप मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल पर आयोजित विभिन्न संस्कार कार्यक्रमों में सहभागिता की। उन्होंने त्रिशा एवं आरव का विद्यारंभ संस्कार कराया तथा दर्श एवं आरोही का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया। इसके साथ ही करिश्मा, लक्ष्मी एवं पूजा सिंह की गोदभराई कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त मातृशक्ति ही विकसित समाज की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है।

- कानपुर नगर में 20 जून तक चलेगी विकास प्रदर्शनी, केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियां प्रदर्शित

मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने फीता काटकर किया शुभारंभ, लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विकास प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। केंद्र सरकार के जनसेवा, सुशासन, विकास एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश के गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

मंत्री ने कहा कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में ₹सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास₹ के मूल मंत्र के साथ कार्य करते हुए सरकार ने अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का प्रयास किया है।

प्रदर्शनी में बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान, पंचायती-राज, उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग, महिला कल्याण, समाज कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, पुलिस विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वयं सहायता समूह, एक जनपद-एक उत्पाद तथा एक जिला-एक व्यंजन सहित विभिन्न विभागों ने अपनी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया।

मंत्री ने विभागीय स्टॉलों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार उत्पादों और एक जिला-एक व्यंजन के अंतर्गत प्रस्तुत व्यंजनों का स्वाद भी लिया। साथ ही जैविक खेती एवं ऑर्गेनिक उत्पादों की जानकारी लेकर किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। लाभार्थियों को मिला योजनाओं का लाभ कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र, टूलकिट एवं चेक वितरित किए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत सपेरा वर्ग की महिलाओं को आवास की चाबियां सौंपी गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा क्षय रोगियों को पोषण पोटली वितरित की गई।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र और टूलकिट प्रदान किए गए। श्रम विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए गए।

संभावना : 43डिग्री सेल्सियस पारा, घाटों और मंदिरों में सन्नाटा, 25 जून तक सक्रिय हो सकता है मानसून

वाराणसी देश का दूसरा सबसे गर्म शहर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में भीषण गर्मी और उमस ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। बुधवार सुबह शहर का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मौसम विभाग ने दोपहर तक इसके 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना जताई है। तेज धूप और उमस के कारण सुबह से ही लोग घरों में रहने को मजबूर नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार शहर में हवा की गति करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटा बनी हुई है, लेकिन लगभग 50 प्रतिशत नमी के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। गर्म हवाओं और चिलचिलाती धूप ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग ने भी गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और धूप में निकलते समय सावधानी बरतने की अपील की है।

शहरवासियों को अब मानसून की बारिश का इंतजार है। हालांकि फिलहाल मौसम विभाग ने तत्काल राहत के कोई संकेत नहीं दिए हैं। ऐसे में अगले कुछ दिनों तक गर्मी और उमस का असर बने रहने की संभावना जताई जा रही है। भीषण गर्मी और उमस के बीच शहरवासियों को अब मानसून की बारिश का इंतजार है। हालांकि फिलहाल मौसम विभाग ने तत्काल बारिश या मौसम में बड़े बदलाव के संकेत नहीं दिए हैं। ऐसे में अगले कुछ दिनों तक लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग लगातार परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए है और समय-समय पर लोगों को आवश्यक सलाह जारी कर रहा है। गर्मी के बढ़ते प्रकोप के बीच वाराणसी के लोगों को फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद कम नजर आ रही है। ऐसे में सावधानी और सतर्कता ही इस भीषण मौसम से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय मानी जा रही है।

6 दिन में 7.6 डिग्री बढ़ा पारा

वाराणसी में पिछले छह दिनों के दौरान तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 11 जून को अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस था, जो 16 जून तक बढ़कर 43 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इस तरह केवल छह दिनों में तापमान में 7.6 डिग्री सेल्सियस का उछाल दर्ज किया गया है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण सड़कें दोपहर में सूनी नजर आ रही हैं और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

यूपी में मानसून 25 जून तक सक्रिय हो जाएगा।

21-22 जून को बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने राहत की उम्मीद जताते हुए बताया है कि 21 और 22 जून को तड़ित झंझावात के प्रभाव से चमक-गरज के साथ बारिश हो सकती है। हालांकि यह राहत अस्थायी रहने की संभावना है, मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव के अनुसार फिलहाल तापमान बढ़ने का सिलसिला जारी रहेगा और मानसून की सक्रियता के बाद ही मौसम में कोई बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

हिंदुस्तानी संस्कृति में अभिवादन प्रणाम होगा सलाम नहीं

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा- अखिलेश यादव कंफ्यूज नेता

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। हिंदुस्तानी यदि हिंदुस्तान की संस्कृति में अभिवादन करें तो हाथ जोड़कर अभिवादन प्रणाम होगा, सलाम तो होगा नहीं। यह बातें बुधवार को सीएसजेएमयू कैंपस में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा व जिले के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहीं। वह सीएसजेएमयू में गुरु तेग बहादुर शोध पीठ की स्थापना पर प्रेसवार्ता कर रहे थे। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में धर्मांतरण सेल बनने की बात पर मंत्री ने कहा कि जबरन या प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराना अपराध है। अपराध रोकने के लिए कोई भी कदम उठाए जा सकते हैं। मंत्री ने कहा कि किसी भी धर्मगुरु का अपमान करना गलत है। यदि कोई धर्मगुरु गलत है तो उसके लिए कुछ भी कहा जा सकता है। नीट परीक्षा के दौरान टेलीग्राम पर रोक लगने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि एक समय पेपर आउट की लंबी श्रृंखला चलती थी जो कि अब नगण्य है। पहले सत्ता संरक्षित करती थी अब दंडित करती है। पुराने इतिहास देख लीजिए एक नेता थे जिन्होंने युवाओं से कहा था कि आप हमें वोट दो हम नकल अध्यादेश खत्म कर देंगे। अखिलेश यादव द्वारा राम मंदिर प्रकरण में गठित एसआईटी पर अखिलेश यादव द्वारा उठाए जा रहे सवाल पर मंत्री ने कहा कंफ्यूज नेता कुछ भी कह सकता है। वह कंफ्यूज नेता है। उदाहरण देते हुए मंत्री बोले कानपुर में विकास दुबे ने कांड किया। तब यह लोग माइक्रो स्कोप लगाकर देख रहे थे कि इसका कहीं से भाजपा के किसी वार्ड के बूथ अध्यक्ष से रिश्ता निकल जाएगा। भाजपा का आदमी कहकर हल्ला काटा था। उज्जैन में गिरफ्तारी के बाद हल्ला काटा कि यह गिरफ्तारी नहीं सरेंडर है। जब रास्ते में एनकाउंटर हो गया तब बोले एक ब्राह्मण मार दिया। हर किसी का विरोध करना इनका पैशन होता है सीएम ग्रिड व सड़कों के लेट लतीफी पर मंत्री बोले की अच्छे के लिए कुछ हो रहा है। डेडलाइन पूरी होने के बाद भी काम पूरा न होने पर बोले कि जिम्मेदार दंडित होंगे। जिन महाविद्यालयों में छात्र संख्या घट रही है वहां रोजगारपक कोर्स शुरु करने को कहा गया है।

टायर फटने से बेकाबू कार डिवाइडर तोड़कर दूसरे लेन में घुसी, 11 घायल

2 कारों की टक्कर, 3 की मौत

घटना

- हादसे में घायल पति को बचाने के लिए महिला सीपीआर देने लगी।
- टक्कर के बाद अर्टिगा कार सड़क किनारे पलट गई।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, एक कार में बीएससी के 7 छात्र सवार थे, जबकि दूसरी कार में 8 लोग सवार थे जोकि हरिद्वार से लौट रहे थे। बुधवार

सुबह यह हादसा आगरा-ग्वालियर हाईवे पर सैंया थाना क्षेत्र में कुणाल कॉलेज के पास हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छात्रों की अर्टिगा कार का टायर फटने से अनियंत्रित हो गई। बेकाबू कार डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही नेक्सन कार से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि नेक्सन कार पलट गई। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय

> ट्रैफिक डीसीपी ने बताया कि मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। घायलों का इलाज एसएन मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घायलों को कारों से बाहर निकालकर इलाज के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज भेजा। मृतकों की पहचान धौलपुर जिले के ताशियो गांव निवासी रिंकू शर्मा (पुत्र राकेश शर्मा), मध्य प्रदेश के दतिया निवासी विवेक तिवारी (पुत्र हरिमोहन तिवारी) और मीना श्रीवास्तव (पत्नी अशोक श्रीवास्तव) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, धौलपुर से अर्टिगा कार में सवार 7 छात्र बीएससी की परीक्षा देने आगरा आ रहे थे। कार में रिंकू शर्मा, अभिषेक पुत्र रघुराज, जितेंद्र पुत्र राजवीर सिंह, राहुल पुत्र वासुदेव, मनमोहन पुत्र रघुराज सिंह समेत अन्य छात्र सवार थे। घायल अभिषेक शर्मा ने बताया कि बुधवार सुबह सभी छात्र परीक्षा देने के लिए घर से निकले थे। रिंकू शर्मा कार चला रहे थे। कुणाल कॉलेज के पास पहुंचते ही कार का दाहिनी ओर का टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। कार की रफ्तार अधिक होने के कारण वह डिवाइडर तोड़कर दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही नेक्सन कार से टकरा गई। हादसे में चालक रिंकू शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य छात्र घायल हो गए।

टक्कर के बाद अर्टिगा कार सड़क किनारे पलट गई।

हरिद्वार से लौट रहा था दूसरी कार में सवार परिवार

दूसरी ओर, नेक्सन कार में मध्य प्रदेश के दतिया निवासी 8 लोग सवार थे। पुलिस के अनुसार, सभी लोग गंगा स्नान और दर्शन के लिए हरिद्वार गए थे। दर्शन के बाद वे अपने घर लौट रहे थे, तभी आगरा-ग्वालियर हाईवे पर उनकी कार हादसे का शिकार हो गई। नेक्सन कार में विवेक तिवारी, उर्मिला तिवारी, मीना श्रीवास्तव, राखी वाजपेयी, मनी वाजपेयी, राघव, शिव और सुमित सवार थे। हादसे में विवेक तिवारी और मीना श्रीवास्तव की मौत हो गई, जबकि अन्य लोग घायल हो गए।

शादी टूटने पर 2 बहनों को गोली मारी

पड़ोसी की खिड़की का शीशा तोड़कर घुसा

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में शादी टूटने से नाराज एक युवक ने घर में घुसकर 2 सगी बहनों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से दोनों बहनें गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, वारदात के बाद कार से थाने जाते समय आरोपी ने खुद का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसमें उसने लड़की और उसके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घायलों की पहचान खुशी (20) और उसकी बहन निधि (18) के रूप में हुई। वारदात खोड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम को हुई। गाजियाबाद के पुराना बस अड्डा बारादरी में रहने वाला जॉनी रैपिडो चलाता है। करीब डेढ़ साल पहले

खोड़ा में रहने वाली 20 साल की खुशी से उसका रिश्ता तय हो गया। लेकिन, जॉनी के चाल-चलन से नाराज होकर परिवारवालों ने करीब 4 महीने पहले रिश्ता तोड़ दिया। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच कोई संपर्क नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 4 बजे जॉनी तमंचा लेकर घर की ऊपरी मंजिल तक पहुंच गया। उसे देखकर खुशी और निधि ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद जॉनी ने पहले खिड़की का शीशा तोड़ा।

फास्ट न्यूज

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में एक सड़क हादसे में पंचायत राज विभाग में कार्यरत 47 वर्षीय महिला किरण देवी की मौत हो गई। उन्हें एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। गंभीर हालत में उन्हें पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोहचा ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान पुरन नगर निवासी किरण देवी पत्नी संतोष कुमार के रूप में हुई है।

बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने घेरा अवर अभियंता कार्यालय

फतेहपुर। फतेहपुर के गाजीपुर क्षेत्र की पखरौली ग्राम पंचायत में पिछले दो माह से गहराए बिजली संकट से परेशान ग्रामीणों ने बुधवार अवर अभियंता कार्यालय का घेराव किया। ग्रामीणों ने गांव में बड़े क्षमता वाले ट्रांसफार्मर की स्थापना की मांग करते हुए उपखंड अधिकारी (एसडीओ) को एक प्रार्थना पत्र सौंपा। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार खराब विद्युत आपूर्ति और कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मर के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी के बीच बिजली की समस्या ने उनके जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है।

पैरा एथलीट चिराग त्यागी हत्याकांड, सीबीआई जांच की मांग

बागपत। बागपत में अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट स्वर्गीय चिराग त्यागी हत्याकांड को लेकर जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। अधिवक्ताओं ने मामले की सीबीआई जांच और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि गाजियाबाद के ग्राम बसन्तपुर सैंथली निवासी अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट चिराग त्यागी की निर्मम हत्या ने प्रदेश ही नहीं।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों के बीच पथराव

मारपीट के आरोप में 6 लोग हिरासत में, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

हापुड़। हापुड़ में बुधवार को पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से पथराव और लाठी-डंडों का इस्तेमाल किया गया, जिससे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के मुदाफरा गांव का है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी जुगनू, जाहिद और जावेद का गांव के ही रिहान, शमशीर और लईक से काफी समय से विवाद चल रहा था। बुधवार को दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट और पथराव में बदल गई। घटना के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला

किया और पत्थर फेंके। इस झड़प में दोनों पक्षों के दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं। घटना से गांव में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर बाबूगढ़ थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा पाया गया है।

आगरा में 250 साल पुरानी मजार ढहाई

मंदिर और मस्जिद पर भी बुलडोजर चला, 500 पुलिसकर्मियों ने मार्च किया

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में बुधवार को तालाब की जमीन पर बने मंदिर, मस्जिद और मजार को प्रशासन ने हटा दिया। करीब 3 घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान बुलडोजर से तीनों को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान मौके पर 5 थानों की पुलिस और पीएसी बल तैनात रहा। दरअसल, सदर तहसील के अंगूठी गांव में लगभग 22.5 बीघा जमीन तालाब की है। आरोप है कि इस भूमि पर कुछ लोगों ने मंदिर, मस्जिद और मजार बनाकर कब्जा कर लिया था। मामले को लेकर ग्रामीणों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन ने बुधवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। सबसे पहले मंदिर, फिर मस्जिद और उसके बाद बीच में बने मजार को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान गांव और आसपास के इलाकों में

पुलिस लगातार गश्त कर रही थी। ग्रामीणों ने बताया- मस्जिद को 1995 में निर्माण कराया गया था, जबकि साल 2000 में मंदिर बनी थी। वहीं, परिसर में मौजूद मजार करीब 250 साल पुराना था। यहां पर बजरंग बली की मंदिर थी। इसके अलावा मां महाकाली और शिव परिवार की प्रतिमाएं भी थीं। प्रशासन ने कार्रवाई से पहले प्रतिमाओं को सुरक्षित रूप से गांव के दूसरे मंदिर में

सुबह से ही प्रशासन और पुलिस रही मुस्तैद

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बुधवार सुबह करीब 7 बजे से प्रशासन और पुलिस की टीम गांव में पहुंच गई। अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र का पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद गांव को सुरक्षा छावनी में तब्दील कर दिया गया। आसपास के गांवों में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। सुबह करीब 9 बजे प्रशासन बुलडोजर के साथ गांव पहुंचा और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों की मौजूदगी में मंदिर, मस्जिद और मजार को हटाकर तालाब की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

शिफ्ट कर दिया। वहीं, मस्जिद के सेवक खादिम मुनीशा खान ने बताया- यहां हम तीन पीढ़ियों से सेवा कर रहे थे। मजार को ताल वाली दरगाह₹ और मस्जिद को अहमद रजा मस्जिद₹ के नाम से जाना जाता था। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान मस्जिद, मंदिर और मजार को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

आगरा कैंट में युवक की हत्या

झाड़ियों में मिला खून से लथपथ शव, 3 महीने पहले हुई थी शादी

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा कैंट में झाड़ियों में एक युवक का शव मिला। युवक के सिर पर चोट के निशान हैं। हत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतक की शिनाख्त सुल्तानपुरा निवासी 24 साल के शोरू के रूप में हुई। शोरू बुधवार सुबह 7 बजे घर से काम पर जाने के लिए निकला था। बेटे की हत्या से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। तीन महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। पति की हत्या की खबर सुनते ही पत्नी भी सुसाइड करने जा रही थी। परिजनों ने किसी तरह उसे बचाया। सोहल्ला के पास झाड़ियों में सुबह करीब 9 बजे लोगों ने एक युवक का खून से लथपथ शव देखा। युवक के सिर पर चोट के निशान थे। लोगों ने युवक की शिनाख्त शोरू निवासी छोटी बस्ती के रूप में की। घटनास्थल से मृतक के घर की दूरी महज दो किलोमीटर है। सूचना पर

- तीन महीने पहले शोरू की शादी हुई थी।
- खबर मिलते ही शोरू के घर पर पहुंचे रिश्तेदार और शुभचिंतक।

पुलिस और परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने बताया कि बुधवार सुबह करीब सात बजे काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसी दौरान गांव के बाहर एक खेत में उसका शव पड़ा मिला। सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार मृतक का चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत था। चेहरे और सिर पर गहरे चोट के निशान मिले हैं। आशंका जताई जा रही है कि हमलावरों ने किसी भारी पत्थर या ठोस वस्तु से कई वार कर उसकी हत्या की। शव के आसपास खून के निशान भी मिले हैं, जिससे संभावना है कि हत्या घटनास्थल पर ही की गई। मृतक शोरू की शादी करीब तीन महीने पहले ही हुई थी। शादी के बाद परिवार में खुशियों का माहौल था, लेकिन अचानक हुई इस वारदात ने पूरे परिवार को सदमे में डाल दिया। पत्नी ने पति के न रहने की खबर मिलने पर फंदे पर लटककर सुसाइड की कोशिश की। लेकिन तभी परिजनों ने उसे फंदे से नीचे उतारकर बचाया। पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि माता-पिता और अन्य परिजन घटना के बाद से गहरे सदमे में हैं। घटना की सूचना मिलते ही थाना सदर पुलिस, फोरेंसिक टीम और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

मेरठ में घर के सामने से कार में उठाकर ले गया, आरोपी एचडीएफसी बैंक का एम्प्लाई

शादीशुदा गर्लफ्रेंड के बच्चे का अपहरण कर हत्या

- प्रेमी ने शादीशुदा गर्लफ्रेंड के 7 साल के बेटे का अपहरण कर नहर में फेंक दिया।
- सीसीटीवी के आधार पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। आरोपी का बच्चे की मां से अफेयर था।

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में प्रेमी ने अपनी शादीशुदा गर्लफ्रेंड के 7 साल के बेटे की हत्या कर दी। आरोपी ने घर के बाहर खेल रहे बच्चे का अपहरण किया और उसे नहर में फेंक दिया। घटना के करीब 25 घंटे बाद मासूम का शव नहर किनारे मिला। मंगलवार को बहसूमा थाना क्षेत्र के रामराज गांव से बच्चे का अपहरण हुआ था। पुलिस के अनुसार, आरोपी का बच्चे की मां से प्रेम संबंध था। हालांकि, हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। बच्चे की मां एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं, जबकि उसके पिता सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। रामराज गांव के रहने वाले गुरसेवक सऊदी अरब में नौकरी करते हैं। उनकी पत्नी गुरप्रीत गांव के ही एक प्राइवेट स्कूल में टीचर है।

> अंगदवीर की दादी ने बताया, मैं अपने पोते अंगदवीर के साथ पटियाला में रहती हूं, जहां उसकी पढ़ाई चल रही थी। करीब 5-6 दिन पहले ही हम रामराज गांव में अपने दूसरे घर आए थे। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे अंगदवीर घर के बाहर खेलने निकला था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

आरोपी की निशानदेही पर शव बरामद

एसपी देहात अभिजीत कुमार ने बताया कि पूछताछ में आरोपी अंकित शर्मा ने स्वीकार किया कि वह बच्चे को अपने साथ ले गया था और उसने बच्चे को नहर फेंक दिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस टीम ने एनडीआरएफ की मदद से बच्चे की तलाश शुरू की। करीब 25 घंटे बाद बुधवार दोपहर में बच्चे का शव बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी अंकित शर्मा बच्चे की मां का पूर्व परिचित है। दोनों के बीच बातचीत होती थी। पड़ोसियों के अनुसार, आरोपी युवक अंकित का बच्चे अंगदवीर की मां से अफेयर था। वह उससे शादी करना चाहता था। पिछले दो तीन दिनों से युवक मोहल्ले में घूम रहा था।

पृष्ठ 01 का शेष...

उद्धव की पार्टी में ...

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के अपने विधायक पाला बदलने वाले हैं। संजय राउत ने लोकसभा में परिसीमन बिल गिरने के कारण भाजपा पर विपक्षी दलों को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- अगर परिसीमन बिल पास नहीं हुआ तो क्या देश पर आसमान टूट पड़ेगा? सभी दलों की सहमति बनने के बाद इसे फिर लाया जा सकता था। राउत ने कहा- बिल पारित नहीं होने के बाद भाजपा जिस तरह की राजनीतिक गतिविधियां कर रही है, वह बेहद आपत्तिजनक और निंदनीय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष को कमजोर करने के लिए दल-बदल को बढ़ावा दे रही है। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और समाज पार्टी (SBSP) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी में बड़ी टूट हो सकती है। उन्होंने कहा- रामगोपाल यादव ने अमित शाह को पत्र लिखकर कहा था कि हम आपके साथ हैं। जितने विधायक चाहिए, उनकी सूची यहां है। आप उन्हें बुलाकर अपनी पार्टी में शामिल करा सकते हैं। राजभर ने दावा किया कि यह पत्र रामगोपाल यादव ने अपने परिवार को बचाने के लिए लिखा था। उनका कहना है कि यह मामला CBI की खनन FIR से जुड़ा है। उद्धव और अन्य पार्टी लीडर्स अपने सांसदों से लगातार संपर्क करने और उन्हें मनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। पार्टी ने गुरुवार को दिल्ली में संसदीय समिति की बैठक बुलाई है। पार्टी ने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर बैठक में अनिवार्य रूप से शामिल होने का निर्देश दिया है। जो सांसद बैठक में नहीं आएंगे, पार्टी उनके खिलाफ डिस्क्वालिफिकेशन की कार्रवाई कर सकती है। शिवसेना (UBT) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने संजय राउत के बागी सांसदों को गाली देने का बचाव करते हुए कहा कि उनकी भावनाओं को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी ने अपने नाम और चुनाव चिन्ह के लिए लंबी लड़ाई लड़ी, लेकिन वह एकनाथ शिंदे गुट को दे दिया गया और मामला अब भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। चतुर्वेदी ने कहा कि अब पार्टी को कमजोर करने की एक और कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जनता ने सांसदों को नहीं, बल्कि उद्धव ठाकरे पर भरोसा करके वोट दिया था, इसलिए अगर किसी सांसद का पार्टी पर से विश्वास उठ गया है तो उसे पहले इस्तीफा देना चाहिए।

भारतीय नाविकों ...

ट्रम्प के नेतृत्व में पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद दिख रही है। इससे पहले ट्रम्प ने वर्किंग लंच स्टेटमेंट में पीएम मोदी की तारीफ की। ट्रम्प ने कहा- मोदी शांत और जबरदस्त नेता हैं, लेकिन मैं मोदी की तरह नहीं हूं। वहीं वर्किंग सेशन में बुधवार को जब ट्रम्प देरी से पहुंचे तो सभी उनकी तरफ देख रहे थे। ट्रम्प कुछ देर चले और रुककर मजाक में कहा- आई एम द बॉस। इसके बाद सभी हंसने लगे। समिट में 14 देशों के नेताओं ने भाग लिया। आज समिट का दूसरा दिन है। इससे पहले मोदी ने कहा- 'वेस्ट एशिया में संकट की वजह से फ्यूल, फर्टिलाइजर और फूड सप्लाई चेन में आई रुकावटों का असर ग्लोबल साउथ (दक्षिणी देशों) पर काफी समय तक रहेगा।' ट्रम्प ने 2015 के ईरान परमाणु समझौते (JCPOA) की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रशासन ने समझौते के तहत ईरान को अरबों डॉलर दिए, जिसमें 1.7 अरब डॉलर कैश भी शामिल थे। ट्रम्प ने कहा कि यह समझौता अमेरिका के लिए अच्छा नहीं था और ओबामा प्रशासन ने ईरान को बड़ी आर्थिक राहत देकर उसे फायदा पहुंचाया। उन्होंने दावा किया कि कैश विमान के जरिए ईरान भेजा गया था और इसे लेकर उन्होंने समझौते की आलोचना की। पीएम मोदी ने G7 समिट में यूरोपीय यूनियन काउंसिल के प्रेसिडेंट एंटोनियो कोस्टा और यूरोपियन कमीशन की प्रेसिडेंट उर्सुला वॉन के साथ मीटिंग की। G7 देशों के नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते की तारीफ की और इसे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। नेताओं ने कहा कि यह समझौता ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने और उसकी क्षेत्रीय गतिविधियों से जुड़े खतरों को कम करने का ऐतिहासिक अवसर है। G7 ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व और मध्य देशों की भूमिका की भी प्रशंसा की। समूह ने कहा कि वह इस समझौते का समर्थन करता है और इसे सफलतापूर्वक लागू करने में सहयोग देने के लिए तैयार है। मोदी ने फेडरल चांसलर मर्ज के साथ बातचीत की। पीएम ने बताया कि मर्ज के साथ वार्ता बहुत फायदेमंद रही। हमने ट्रेड, इन्वेस्टमेंट, सर्कुलर इकॉनमी, डिफेंस, IT और दूसरे फील्ड्स में मिलकर काम करने पर चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने G7 शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए फ्रांस और राष्ट्रपति मैक्रों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह एक शानदार शिखर सम्मेलन रहा और मैक्रों ने इसके आयोजन में बेहतरीन काम किया है। पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच 16 महीने बाद मुलाकात हुई। दोनों नेता पहले ग्रुप फोटो सेशन के दौरान मिले। ट्रम्प मोदी का हाथ पकड़े रहे। इसके बाद, आउटरीच सेशन में मुलाकात हुई। मोदी को देखकर ट्रम्प सीट से खड़े हुए और उनसे हाथ मिलाया। इसके बाद दोनों के बीच करीब 5 मिनट तक बात हुई। G7 देशों के नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते की तारीफ की और इसे क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। नेताओं ने कहा कि यह समझौता ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने और उसकी क्षेत्रीय गतिविधियों से जुड़े खतरों को कम करने का ऐतिहासिक अवसर है। G7 ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व और मध्य देशों की भूमिका की भी प्रशंसा की। समूह ने कहा कि वह इस समझौते का समर्थन करता है और इसे सफलतापूर्वक लागू करने में सहयोग देने के लिए तैयार है। ट्रम्प और इटली की पीएम मेलोनी के बीच रिश्तों में अप्रैल में आई खटास के बाद अब दोनों के संबंध बेहतर होते नजर आ रहे हैं। यह संकेत फ्रांस में चल रहे G7 समिट के दौरान देखने को मिला। जब दोनों नेताओं की मुलाकात हुई तो ट्रम्प ने मेलोनी से मजाकिया अंदाज में कहा, 'तुमने मेरा साथ छोड़ दिया है।' इस पर मेलोनी ने जवाब दिया, यह सच नहीं है, हम हमेशा से दोस्त रहे हैं। पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच 16 महीने बाद मुलाकात हुई। दोनों नेता पहले ग्रुप फोटो सेशन के दौरान मिले।

ट्रम्प मोदी का हाथ पकड़े रहे। इसके बाद, आउटरीच सेशन में मुलाकात हुई। मोदी को देखकर ट्रम्प सीट से खड़े हुए और उनसे हाथ मिलाया। इसके बाद दोनों के बीच करीब 5 मिनट तक बात हुई। इससे पहले दोनों नेता फरवरी में वॉशिंगटन मिले थे।

पिछले 16 महीनों के दौरान भारत-अमेरिका रिश्ते खासे उतार-चढ़ाव वाले रहे। इनमें ट्रम्प टैरिफ और एच-1 बी वीसा के मुद्दे खास रहे।

आईएसआई से जुड़े ...

इन्हें पाकिस्तानी हैंडलर्स के पोस्टर्स के साथ दिल्ली-NCR इलाके में आतंकी संगठन 'तहरीक-ए-तालिबान हिंदुस्तान' (TTH) का प्रचार करने की भी जिम्मेदारी दी गई थी। कई संदिग्ध वीडियो बरामद जिसमे पुलिस फोर्स की रैकी के वीडियो पाकिस्तान भेजे गए। स्पेशल सेल की कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। बरामद सामान की जांच की जा रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि इनका इस्तेमाल किन गतिविधियों में किया जाना था। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और मॉड्यूल के अन्य संभावित सदस्यों तथा उनके नेटवर्क की पहचान की कोशिश जारी है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि आरोपियों को फंडिंग, निर्देश और अन्य सहायता किन माध्यमों से मिल रही थी तथा उनका संपर्क किन विदेशी हैंडलरों से था। स्पेशल सेल के उपायुक्त नारा चैतन्य ने बताया कि पुलिस लंबे समय से देश में सक्रिय स्लीपर मॉड्यूल और आतंकी नेटवर्क की गतिविधियों पर नजर रख रही थी।

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल दागने के रिकॉर्ड की बराबरी की, 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके

मेसी की फुटबॉल वर्ल्डकप में पहली हैट्रिक

शानदार

नई दिल्ली, एजेंसी

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने बुधवार को फुटबॉल वर्ल्ड कप की पहली हैट्रिक लगा दी है। यह वर्ल्ड कप में मेसी की पहली हैट्रिक भी है। मेसी की यह हैट्रिक खास मौके पर आई है। उन्होंने 2006 में 17 जून को ही फीफा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच खेला था। 38 साल के मेसी ने अल्जीरिया के खिलाफ 17वें, 60वें और 76वें मिनट में गोल दागे। वे 78 मिनट के बाद मैदान से बाहर चले गए। मेसी के इस दमदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे के मुकाबले में अल्जीरिया को 3-0 से हराया। मेसी अब तक 11 इंटरनेशनल हैट्रिक लगा चुके हैं। मैच अमेरिकी शहर कैनसस सिटी के एरोहेड स्टेडियम में खेला गया। इस जीत से अर्जेंटीना ग्रुप-जे के पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर आ गई है। अर्जेंटीना अब 22 जून को ऑस्ट्रिया से भिड़ेगा। अल्जीरिया की टीम अपने अगले मैच में जॉर्डन से भिड़ेगी। मेसी अपने करियर का रिकॉर्ड छठा वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। उन्होंने 20 साल पहले आज ही के दिन सर्बिया एवं मोंटेनेग्रो के खिलाफ मुकाबले से वर्ल्ड कप में डेब्यू किया था। हाल ही में मेसी हैमस्ट्रिंग की मामूली चोट से जूझ रहे थे, लेकिन टूर्नामेंट से पहले आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में उन्होंने वापसी के संकेत देते हुए पेनल्टी पर गोल किया था। अर्जेंटीना की टीम के कैनसस सिटी पहुंचने के बाद से ही शहर में मेसी को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मैच के दिन हजारों प्रशंसक मेसी की नंबर-10 जर्सी पहनकर स्टेडियम पहुंचे। डाउनटाउन क्षेत्र में आयोजित वॉच पार्टी में भी मेसी के सम्मान में विशेष आयोजन किए गए। उनके नाम के नारे पूरे मुकाबले के दौरान गूंजते रहे।

मेसी ने अल्जीरिया के खिलाफ शुरुआती मिनटों में गोल कर मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला मेसी के इंटरनेशनल करियर का 200वां मैच भी था।

उनका इंटरनेशनल करियर 2005 में 18 वर्ष की उम्र में शुरू हुआ था। उनसे ज्यादा मैच केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और कुवैत के बदर अल-मुतावा ने खेले हैं।

दूसरे हाफ में छाए मेसी, 3 गोल दागे

ब्रेक के बाद मेसी लगातार अर्जेंटीना के हमलों का केंद्र बने रहे। पहले उन्होंने दूर से शॉट लगाया और फिर लाउतारो मार्टिनेज को शानदार पास दिया। उनका दूसरा गोल तब आया जब मैक एलिस्टर के तेज शॉट को गोलकीपर लुका जिदान पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सके। मेसी ने मौके का फायदा उठाते हुए रिबाउंड पर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। इसके बाद उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में बॉक्स के बाहर से कर्लिंग शॉट लगाकर हैट्रिक पूरी की और स्टेडियम में मौजूद अर्जेंटीनी समर्थकों को जश्न मनाने का मौका दे दिया।

पहले हाफ में ऑफ साइड के कारण 2 गोल रद्द

अर्जेंटीना-अल्जीरिया मुकाबले की शुरुआत तेज रही। मेसी और अल्जीरिया के फारिस शाइबी, दोनों के गोल ऑफसाइड के कारण रद्द कर दिए गए। इसके बाद मेसी ने 30 गज दूर से गेंद हासिल की, डिफेंडर को छकाया और शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी। पहले हाफ में अल्जीरिया ने अर्जेंटीना को ज्यादा मौके नहीं दिए। हालांकि, एलेक्सिस मैक एलिस्टर का एक हेडर क्रॉसबार के ऊपर चला गया। दूसरी ओर अल्जीरिया के अनिस हद्ज मौसा ने भी मौका बनाया, लेकिन गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने आसानी से उसे रोक लिया।

2018 सेमीफाइनल में हराने वाली क्रोएशिया से इंग्लैंड का मुकाबला

कोलंबिया के सामने उज्बेकिस्तान का फीफा वर्ल्ड कप डेब्यू

नई दिल्ली, एजेंसी

FIFA वर्ल्ड कप में आज रात इंग्लैंड और क्रोएशिया के बीच हाई वोल्टेज मैच खेला जाएगा। इस मैच को जीतकर इंग्लैंड 2018 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में मिली हार का हिसाब बराबर करना चाहेगी। यह मैच रात 1:30 बजे से डलास स्टेडियम में शुरू होगा।

सुबह 4:30 बजे घाना और पनामा के बीच टोरंटो स्टेडियम में मुकाबला होगा। इसके बाद FIFA वर्ल्ड कप में पहली बार खेल रही उज्बेकिस्तान, कोलंबिया से मैच खेलेगी। मैच मेक्सिको सिटी स्टेडियम में सुबह 7:30 से खेला जाएगा। ग्रुप-L में शामिल इंग्लैंड और क्रोएशिया के बीच अब तक कुल 11 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में इंग्लैंड का पलड़ा भारी है, जिसने 6 मैचों में जीत दर्ज की है। वहीं क्रोएशिया को 3 मैचों में सफलता मिली है। 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं।

FIFA वर्ल्ड कप में दोनों टीमें दूसरी बार आमने-सामने होंगी। इससे पहले 2018 के सेमीफाइनल में दोनों टीमों की भिड़ंत हुई थी। तब क्रोएशिया ने इंग्लैंड को 2-1 से हराकर उसका फाइनल में पहुंचने का सपना तोड़ दिया था। इंग्लिश टीम को अपने स्टार स्ट्राइकर हैरी केन, मिडफील्डर जूड बेलिंगघम और युवा विंगर बुकायो साका से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं क्रोएशियाई टीम का पूरा दारोमदार उनके अनुभवी कप्तान और दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिच और डिफेंडर जोस्को ग्वार्डियोल पर टिका होगा। ग्रुप-K में शामिल उज्बेकिस्तान पहली बार FIFA वर्ल्ड कप खेल रही है। उसका मुकाबाल कोलंबिया से है। दोनों टीमों के बीच इंटरनेशनल फुटबॉल में अब तक कोई मैच नहीं हुआ है। उज्बेकिस्तान को अनुभवी स्ट्राइकर और कप्तान एल्डोर शोमुरोडोव के साथ मिडफील्डर ओटाबेक शुकुरोव से जादुई प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

एम्बापे के 14 गोल, जर्मनी के मुलर की बराबरी की, नॉर्वे ने इराक को 4-1 से हराया

फीफा वर्ल्ड कप-फ्रांस ने सेनेगल को 3-1 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप में बुधवार को I ग्रुप के दो मैच खेले गए। पहले मैच में फ्रांस ने अपने ओपनिंग मैच में सेनेगल को 3-1 से हराया। न्यू जर्सी में खेले गए मुकाबले में स्टार फॉरवर्ड किलियन एम्बापे ने दो गोल दागे और फ्रांस के इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने पूर्व स्ट्राइकर ओलिवियर गिरूड का रिकॉर्ड तोड़ा। फ्रांस के लिए ब्रेडली बारकोला ने भी एक गोल किया, जबकि सेनेगल का एकमात्र गोल इब्राहिम म्बाए ने दागा।

वहीं, इस ग्रुप के खेले गए दूसरे मुकाबले में नॉर्वे ने इराक को 4-1 से हराया। मैच के दौरान एक बड़ा विवाद देखने को मिला। दूसरे हाफ में फ्रांस ने पेनल्टी की अपील की, जिसके बाद मामला VAR तक पहुंचा। हालांकि, वीडियो रीप्ले देखने के बाद भी रेफरी ने अपना फैसला नहीं बदला और फ्रांस को पेनल्टी नहीं दी। इस विवादित फैसले के कुछ ही मिनट बाद किलियन एम्बापे ने गोल कर फ्रांस को बढ़त दिला दी।

पहले हाफ में गोल करने का सबसे अच्छा मौका सेनेगल के इस्माइला सार को मिला था। हाफ-टाइम से ठीक पहले उन्हें नजदीक से गोल करने का मौका मिला, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर चला गया। इस तरह सेनेगल बढ़त हासिल करने से चूक गया। हालांकि, दूसरे हाफ में इब्राहिम म्बाए ने टीम के लिए एक गोल जरूर किया। साल 2002 के वर्ल्ड कप के उद्घाटन मैच में सेनेगल ने डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस को 1-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया था। उस हार के बाद फ्रांस टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी और एक भी मैच नहीं जीत सकी थी।

पहले हाफ में कोई गोल नहीं, दूसरे में 4 गोल

मैच का पहला हाफ गोलरहित रहा, लेकिन दूसरे हाफ में एम्बापे ने फ्रांस को बढ़त दिलाई। इसके बाद बारकोला ने स्कोर 2-0 किया। सेनेगल के 18 साल के इब्राहिम म्बाए ने गोल कर अंतर कम किया और वर्ल्ड कप में गोल करने वाले सबसे युवा अफ्रीकी खिलाड़ी बने। हालांकि, इंजरी टाइम में एम्बापे ने गोल कर फ्रांस की जीत पक्की कर दी।

एम्बापे के अब वर्ल्ड कप में 14 गोल हो गए हैं। उन्होंने जर्मनी के महान स्ट्राइकर गर्ड मुलर की बराबरी कर ली है और ऑल-टाइम रिकॉर्डधारी मिरोस्लाव क्लोस (16 गोल) से सिर्फ दो गोल पीछे हैं। पहले हाफ में सेनेगल ने फ्रांस को कड़ी टक्कर दी, लेकिन दूसरे हाफ में एम्बापे की चमक के आगे उसकी चुनौती फीकी पड़ गई।

मनोरंजन

एमआरअसाई, सीटी स्कैन हुआ, पेन किलर्स से गला भारी, बोले- भुगत रहा हूं, कॉन्फिडेंस कम हुआ

सिंगर सोनू निगम की गर्दन की नसें दबीं

नई दिल्ली। सिंगर सोनू निगम की गर्दन की नसें दब गई हैं। ये जानकारी सिंगर ने खुद सोशल मीडिया के जरिए दीं और दिखाया कि कैसे वो पट्टियां लगाकर परफॉर्मेंस की तैयारी कर रहे हैं। ये घटना 13 जून की हो। सोनू निगम ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा, देखिए मेरी नसें दब गई हैं। मैं तो एक हफ्ते से भुगत रहा हूं। MRI, CT स्कैन सब हुआ। दवाइयां, फिजियोथैरेपी बहुत थकान का काम है। फिलहाल पेनकिलर्स ले रहा हूं, जिससे गला भी थोड़ा भारी हो गया है। आगे सिंगर ने कहा, आज (13 जून) में एक महीने 10-12 दिन बाद परफॉर्म कर रहा हूं। मेरा कॉन्फिडेंस वैसे भी थोड़ा कम है। नसों को आराम देने के लिए जो दवा ले रहा हूं, उनसे मेरे गले पर असर पड़ा। कोई बात नहीं, भगवान स्टेज पर मुझे शक्ति दे। सोनू निगम की पोस्ट सामने आने के बाद कई सिंगर्स उन्हें दुआएं दे रहे हैं। इनमें कविता सेठ, रूपकुमार राठौड़, अलीशा चिनॉय शामिल हैं। सोनू ने पहली बार अपने पिता के साथ मंच पर मोहम्मद रफी का मशहूर गाना 'क्या हुआ तेरा वादा' गाया था। उनकी आवाज में इतनी मिठास कि वहां मौजूद माता-पिता ही नहीं, बल्कि हर कोई हैरान रह गया। उसी पल उनके माता-पिता को एहसास हुआ कि सोनू के भीतर प्रतिभा छिपी है।

घर की स्थिति नहीं थी ठीक, स्टेज पर गाना गाया करते थे सोनू के पिता

सोनू निगम के पिता अगम कुमार निगम एक गायक हैं। एक समय घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, इसलिए वे शादियों और कई कार्यक्रमों में स्टेज पर गाना गाया करते थे। इसी के चलते सोनू को भी छोटी उम्र से ही संगीत में रुचि होने लगी। जब सोनू सिर्फ 4 साल के थे और उनके पिता स्टेज पर गा रहे थे, तभी सोनू अचानक रोने लगे और गाने की जिद करने लगे। यह देखकर उनके माता-पिता हैरान रह गए, क्योंकि इससे पहले सोनू ने कभी ऐसा व्यवहार नहीं किया था, न ही कोई गाना गाया था। हालांकि वहां मौजूद लोगों ने कहा कि बच्चा है, गाने दो, तो माता-पिता ने भी उन्हें मंच पर जाने दिया।

टॉम हॉलैंड ने जेंडया संग शादी की खबरों पर लगाई मुहर

दादी को नहीं किया था इनवाइट, एआई खोली थी पोल

नई दिल्ली। मार्च के महीने में जब हॉलीवुड एक्ट्रेस और सिंगर जेंडया के हाथ में सोने की रिंग देखी गई थी, उस समय ही यह अटकलें तेज हो गई थी कि उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड और एक्टर टॉम हॉलैंड से सीक्रेट शादी कर ली है। हॉलीवुड के लवेबल कपल ने एक लंबे समय से तक अपनी वेडिंग की खबरों को छुपाकर रखा था, लेकिन अब हाल ही में टॉम हॉलैंड ने खुद शादी की खबरों पर मुहर लगा दी है।

स्पाइडरमैन एक्टर टॉम हॉलैंड ने हाल ही इस्क्वायर से बातचीत करते हुए सिंगर जेंडया संग अपनी शादी की खबरों पर मुहर लगाते हुए उन AI वेडिंग फोटोज के बारे में बात की, जिसे इंस्टाग्राम पर 10 मिलियन से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है, जो इटली के लेक कोमो की है, जिसमें कपल शादी कर रहा है। टॉम हॉलैंड ने बताया कि उनकी ग्रैंड मदर ने जेंडया के साथ उनकी सीक्रेट वेडिंग की तस्वीरों को देखा तो वह इस बात से नाराज हो गई थीं कि उन्हें शादी में इनवाइट नहीं किया गया। जब 30 वर्षीय एक्टर से यह पूछा गया कि उन्होंने अपनी और जेंडया की सीक्रेट वेडिंग के बारे में बताने के लिए परिवार के किसी अन्य सदस्य को फोन किया? तो अभिनेता ने जवाब देते हुए कहा, ₹नहीं, क्योंकि बाकी सब वहीं पर थे।₹ इसके साथ ही एक्टर ने सीक्रेट वेडिंग के बारे में बहुत अधिक बात करने से साफ इनकार कर दिया। सीक्रेट शादी पर कन्फर्मेशन के अलावा टीम हॉलैंड ने जेंडया संग अपनी बॉन्डिंग पर कहा, हमारे बिजनेस में कई बार तनावपूर्ण परिस्थिति पैदा हो जाती है ।

कल्कि 2898 एडी की शूटिंग का दावा गलत, अल्फा में सीन चुराने के आरोप से ट्रोलिंग जारी, ट्रेलर आया

आलिया का दीपिका की जगह लेना तय नहीं

नई दिल्ली। अल्फा के टीजर से ट्रोलिंग के निशाने पर आईं आलिया भट्ट का कल्कि 2898 AD से दीपिका को रिप्लेस करना तय नहीं है। आलिया की कास्टिंग और फिल्म की शूटिंग करने के दावों को फिल्म से जुड़े स्पोक्सपर्सन ने निराधार कहा है।

बातचीत में आलिया की कास्टिंग की खबरों पर कहा, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। किसी ने सोशल मीडिया पर यह बात पोस्ट कर दी और बाकी लोगों ने उसे खबर मानकर कॉपी-पेस्ट करना शुरू कर दिया। उनकी कास्टिंग को लेकर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।" स्पोक्सपर्सन ने उन दावों को भी निराधार बताया है, जिसमें कहा जा रहा था कि उन्होंने कुछ समय पहले ही फिल्म की 5 दिनों तक शूटिंग की है।

सितंबर 2025 में फिल्म कल्कि के मेकर्स ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया था कि दीपिका कल्कि के पार्ट-2 का हिस्सा नहीं होंगी। बाद में सामने आया कि मां बनने के बाद दीपिका ने फिल्मों में काम करने के लिए 8 घंटे की शिफ्ट में काम करने की डिमांड की थी। इस डिमांड के चलते उन्हें कल्कि और संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट से भी निकाला गया है। खबरें सामने आने के बाद 8 घंटे की शिफ्ट बड़ा मुद्दा रही, जिस पर इंडस्ट्री में बड़ी बहस छिड़ गई। इसके अलावा अल्फा का पोस्टर भी काफी हद तक हॉलीवुड फिल्म ड्यून की तरह बनाया गया था। सीन और पोस्टर कॉपी किए जाने पर फिल्म के टीजर और आलिया की जमकर आलोचना हुई थी।

हाल ही में यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड फिल्म अल्फा का टीजर जारी हुआ था। टीजर में साफ लिखा गया था कि फिल्म ऑरिजिनल स्टोरी है, हालांकि टीजर के कई सीन हॉलीवुड फिल्म से मेल खाते थे।

आज जारी हुई है अल्फा का ट्रेलर

आलिया भट्ट, शरवरी वाघ और बॉबी देओल स्टारर फिल्म अल्फा का ट्रेलर आज रिलीज किया जा चुका है। ट्रेलर एक्शन और एडवेंचर से भरपूर है। फिल्म में ऋतिक रोशन का भी कैमियो होने वाला है, जो यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म वॉर और वॉर 2 का हिस्सा रहे हैं। अल्फा यश राज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की 7वीं और फीमेल लीड वाली पहली फिल्म है। फिल्म 3 जुलाई को रिलीज होने के लिए शेड्यूल है। फिल्म का निर्देशन शिव रवैल ने किया है।

चीन के खिलाफ भारत को अहमियत देने के लिए ट्रम्प ने ही नाम बदला था

अमेरिका ने सबसे बड़े सैन्य कमांड से 'इंडो' शब्द हटाया

बदलाव

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि US इंडो-पैसिफिक कमांड का नाम बदलकर फिर से US पैसिफिक कमांड (USPACOM) कर दिया गया है। अब इस कमांड से 'इंडो' शब्द हटा दिया गया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने 2018 में कमांड के नाम में बदलाव किया था। उस समय अमेरिका ने कहा था कि हिंद महासागर (इंडियन ओशियन) क्षेत्र का रणनीतिक महत्व बढ़ रहा है और यह क्षेत्र प्रशांत महासागर (पैसिफिक ओशियन) की सुरक्षा व्यवस्था से पहले की तुलना में ज्यादा जुड़ गया है। 2018 में अमेरिकी रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने इस सैन्य कमांड का नाम बदलकर इंडो-पैसिफिक कमांड कर दिया था। अमेरिका का कहना था कि हिंद महासागर का महत्व तेजी से बढ़ रहा है और अब हिंद महासागर तथा प्रशांत महासागर की सुरक्षा और रणनीति एक-दूसरे से पहले से ज्यादा जुड़ गई हैं। इसलिए कमांड के नाम में इंडो (हिंद महासागर) को भी शामिल किया गया था। अमेरिकी सेना पूरी दुनिया को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर चलती है। इनके लिए 11 कमांड हैं। इनमें से 6 स्ट्रैटेजिक और 5 फंक्शनल कमांड हैं। यूएस पैसिफिक स्ट्रैटेजिक कमांड का हिस्सा है। यह अमेरिका की सबसे बड़ी और सबसे अहम सैन्य कमांडों में से एक है। यह कमांड एशिया और प्रशांत महासागर इलाके में एक्टिव है।

अब नाम बदलने पर चर्चा क्यों है?

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूएस पैसिफिक कमांड नाम बहुत पुराना और ऐतिहासिक है। इसे वापस लाने से सैनिकों को अपनी विरासत पर गर्व महसूस होगा। यह नाम कई बड़े युद्धों और महत्वपूर्ण मिशनों से जुड़ा रहा है, इसलिए इसे फिर से अपनाया गया है। पेंटागन ने यह भी कहा कि कमांड का सिर्फ नाम बदला है, रणनीति और जिम्मेदारियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि इंडो शब्द हटने से यह मैसेज जा सकता है कि अमेरिका हिंद महासागर और भारत को पहले जितना प्रमुख महत्व नहीं दिखाना चाहता।

अपने पहले कार्यकाल में ट्रम्प चीन को सबसे बड़ा खतरा मानते थे। तब वे दिखाना चाहते थे कि भारत उसकी एशिया रणनीति का अहम हिस्सा है और चीन को काउंटर करने में भारत की अहम भूमिका है।

उन्होंने यह भी जताने की कोशिश की थी कि हिंद महासागर और प्रशांत महासागर को एक ही रणनीतिक क्षेत्र हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अब शायद ट्रम्प की प्राथमिकताएं बदल गई हैं।

चांदी 744 गिरकर 2.48 लाख पर आई

10 ग्राम सोना 558 सस्ता होकर 1.50 लाख का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 17 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी 744 रुपए गिरकर 2.48 लाख रुपए पर आ गई। इससे पहले इसकी कीमत 2.49 लाख रुपए प्रति किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 558 रुपए गिरकर 1.50 लाख रुपए पर आ गया है। हालांकि इस साल सोने-चांदी की कीमत बढ़ी है। सोना 2026 में अब तक 17 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.50 लाख रुपए पर है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.48 लाख रुपए पर है। अमेरिकी बैंकिंग व फाइनेंशियल सर्विसेज ग्रुप वेल्स फार्गो ने सोने की कीमत का लक्ष्य बढ़ाकर 6,100-6,300 डॉलर प्रति औंस कर दिया। यानी इसकी कीमत 1.93 लाख तक जा सकती है। वहीं औद्योगिक मांग और सप्लाई की कमी से चांदी लंबी अवधि में निवेशकों को फायदा दे सकती है। सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

फास्ट न्यूज

एनएसई ने 11 नए सेक्टोरल इंडेक्स लॉन्च किए

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) की इंडेक्स सर्विसेज कंपनी NSE इंडाइसेज लिमिटेड ने बाजार में 11 नए सेक्टोरल इंडेक्स लॉन्च किए हैं। इस कदम से अब निफ्टी के तहत कुल सेक्टोरल इंडेक्स की संख्या बढ़कर 34 हो गई है, जिससे भारत की इकोनॉमी के अलग-अलग सेक्टर्स को ज्यादा सटीकता से ट्रैक किया जा सकेगा।

एअर इंडिया ने शुरू की 'बेसिक' किराया कैटेगरी

नई दिल्ली। एअर इंडिया ने चुनिंदा घरेलू रूट्स पर एक नई 'बेसिक' किराया कैटेगरी की शुरुआत की है। जिसके तहत यात्रियों को कम कीमत में सफर करने का ऑप्शन मिलेगा। इकोनॉमी क्लास टिकट में मुफ्त भोजन शामिल नहीं होगा, हालांकि यात्रियों को मुफ्त चाय या कॉफी दी जाएगी। एयरलाइन ने एक बयान में बताया कि इस किराए को अभी ट्रायल बेसिस पर शुरू किया गया है, जो उन यात्रियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो कम खर्च में यात्रा करना चाहते हैं।

बिगबास्केट के सीईओ हरि मेनन ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। टाटा के ओनरशिप वाले ऑनलाइन ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म बिगबास्केट के को-फाउंडर हरि मेनन ने चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) के पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने 16 जून को इसकी आधिकारिक घोषणा की। ई-कॉमर्स सेक्टर की दिग्गज कंपनी अमेजन में 11 साल से ज्यादा समय बिता चुके अमित नंदा अब बिगबास्केट के नए CEO के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे।

ट्रंप के बगल में बैठकर पीएम मोदी ने उठाया जहाजों पर हमले का मुद्दा

अमेरिकी हमले में भारतीय नाविकों की मौत पर चिंता जताई

एवियन, एजेंसी

ओमान के पास समुद्र में एक कमर्शियल जहाज़ पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत के कुछ दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप समेत कई नेताओं की मौजूदगी में कहा कि युद्धों का समाधान सिर्फ बातचीत, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही हो सकता है और सभी देशों को समुद्री रास्तों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

मोदी ने फ्रांस के एवियन रिसॉर्ट में जी7 समिट के एक सेशन को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। इस सेशन का विषय था नई साझेदारियां बनाना और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को फिर से कायम करना३। ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते पर सहमति बनने के दो दिन बाद हुए इस सेशन में भारत के अलावा ब्राजील, मिस्र,

केन्या और दक्षिण कोरिया जैसे सहयोगी देशों को भी आमंत्रित किया गया था। ट्रंप के ठीक बगल में बैठे प्रधानमंत्री मोदी ने सत्र में कहा, "समुद्री रास्ते से दुनिया भर के देशों को जोड़ने वाले नाविकों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। हमें यह पक्का करना होगा कि समुद्री रास्ते सुरक्षित रहें और नाविक बिना किसी डर के अपना काम कर सकें। भारत इन मुद्दों पर सभी सहयोगियों के साथ मिलकर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार है।" पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों में हुई प्रगति का स्वागत किया और कहा कि इस संघर्ष में कई भारतीय नागरिकों की जान गई है ।

टेक्सस में हाईवे पर क्रैश हुआ छोटा प्लेन

लोगों ने कॉकपिट का शीशा तोड़कर बचाई यात्रियों की जान

टेक्सस, एजेंसी

अमेरिका के टेक्सस प्रांत में मंगलवार रात एक बड़ा हादसा हो गया, जहां एक छोटा विमान अनियंत्रित होकर सीधे हाईवे (लूप 20) पर जा गिरा। क्रैश होते ही विमान में भीषण आग लग गई। इस हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई और वहां से गुजर रहे लोग अपनी गाड़ियां छोड़कर विमान में फंसे लोगों को बचाने के लिए दौड़ पड़े। पुलिस के मुताबिक, विमान में कुल 6 लोग सवार थे, जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। लारेडो पुलिस विभाग के जांचकर्ता जोस बिएज़ा ने बताया कि यह हादसा रात करीब 10 बजे के बाद हुआ। राहत की बात यह रही कि हाईवे पर चल रहे किसी भी वाहन या उसमें बैठे लोगों को चोट नहीं आई है। एक्सीडेंट के बाद सुरक्षा के लिहाज से हाईवे को दोनों तरफ से बंद कर दिया

गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान हाईवे के बैरियर से टकराकर एक तरफ झुका हुआ है और धू-धू कर जल रहा है। इस हादसे की चश्मदीद जायरा गार्जा नाम की महिला ने बताया कि वह अपनी सहकर्मियों को गाड़ी से घर छोड़ रही थीं, तभी अचानक उनके सामने यह विमान क्रैश हो गया। उन्होंने बताया कि शुरुआत में मैंने इस घटना का वीडियो बनाना शुरू किया, लेकिन जैसे ही गाड़ी रोकी, देखा कि विमान के अंदर फंसा एक शख्स बाहर निकलने के लिए कॉकपिट (पायलट के केबिन) की खिड़की तोड़ने की कोशिश कर रहा था।

1 महीने से सिगरेट नहीं पी : मेलोनी

नींद भगाने के लिए कॉफी पीती हूं, जी7 समिट में माइक पर रिकॉर्ड हुई बातचीत

एवियन, एजेंसी

फ्रांस में चल रहे G7 शिखर सम्मेलन के दौरान नेताओं की अनौपचारिक बातचीत माइक्रोफोन में रिकॉर्ड हो गई। इन नेताओं को सिगरेट, फुटबॉल, तोहफों जैसी बातों पर हल्के-फुल्के मजाक करते हुए सुना गया। इन सबमें से इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सिगरेट छोड़ देने वाली बातचीत की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, बैठक शुरू होने से पहले मेलोनी ने नेताओं से बातचीत में कहा कि आज उन्होंने 3 कप कॉफी पी है।

यह सुनकर यूरोपीय यूनियन की चीफ उर्सला वॉन डेर लेयेन ने चौंकते हुए पूछा- क्या आज सुबह, उठने के लिए? इस पर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने मजाक में कहा- और सिगरेट कितनी पी?

मेलोनी ने इससे इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने एक महीने से सिगरेट नहीं पी है। यह सुनते ही कनाडा, ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ के नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मेलोनी ने खुशी में दोनों हाथ उठा दिए। इसके बाद कनाडाई PM मार्क कार्नी ने मजाकिया अंदाज में अपने हाथ की ओर इशारा कर पूछा, क्या आपने निकोटिन पैच लगाया है? इस पर आसपास मौजूद लोग हंस पड़े।

मैक्रों घड़ी ले जाना भूले तो ट्रम्प ने कहा- ये मुझे दे दो

सम्मेलन के दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपनी घड़ी कहीं छोड़ गए। जब नेता दोपहर खाने के लिए जा रहे थे, तब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा, मैक्रों अपनी घड़ी यहां छोड़ गए हैं। हमारे पास उनकी घड़ी है। इस पर ट्रम्प ने तुरंत मजाक करते हुए कहा, अगर उन्होंने छोड़ दी है तो मुझे दे दो। उनकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े।

समिट में तोहफों का आदान-प्रदान भी हुआ। मैक्रों ने सभी G7 नेताओं को व्यक्तिगत साइकिल भेंट की। ट्रम्प को साइकिल मिलने पर कई लोगों ने हैरानी जताई क्योंकि वह गोल्फ को छोड़कर अन्य शारीरिक गतिविधियों और खासकर साइकिल चलाने में रुचि नहीं दिखाते। हालांकि उस समय पास में कोई माइक्रोफोन नहीं था, इसलिए उनकी बातें रिकॉर्ड नहीं हो सकी।

मैक्रों ने फ्रांस फुटबॉल टीम का समर्थन किया

अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में चल रहे फीफा विश्व कप के बीच नेता खेलों पर चर्चा करते नजर आए। मैक्रों ने फ्रांस की टीम का समर्थन करते हुए कहा, अलेज ले ब्लू यानी आगे बढ़ो फ्रांस। एक नेता ने पेरिस सेंट-जर्मेन (PSG) क्लब की हालिया चैंपियंस लीग जीत की तारीफ की।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी केप वर्डे की टीम की सराहना की, जिसने मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला था। स्टार्मर ने कहा, यह वास्तव में हैरान करने वाला प्रदर्शन था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी फुटबॉल से इतर UFC मुकाबले का जिक्र किया। दरअसल, ट्रम्प के जन्मदिन 14 जून पर व्हाइट हाउस में UFC मुकाबला हुआ था। ट्रम्प ने इसके आयोजक डाना व्हाइट की खूब तारीफ की।

सम्मेलन के दौरान जब इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आमने-सामने आए। मेलोनी ने मुस्कुराते हुए मोदी से कहा, आपसे फिर मिलकर अच्छा लगा। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इंस्टाग्राम का जिक्र किया, जिस पर मेलोनी ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, हां, हम इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा मशहूर हैं। उनकी इस टिप्पणी पर आसपास मौजूद लोग हंस पड़े।

ग्रीनलैंड का जिक्र करना नहीं भूले ट्रम्प

समिट में एक रहस्यमय बातचीत भी रिकॉर्ड हुई। ट्रम्प यूरोपीय परिषद के चीफ एंटोनियो कोस्टा से बात कर रहे थे। बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा, आप जानते होंगे। कुछ देर रुकने के बाद उन्होंने कोस्टा की तरफ देखते हुए कहा- ग्रीनलैंड। बातचीत का बाकी हिस्सा साफ नहीं सुनाई दिया। ट्रम्प की यह टिप्पणी इसलिए चर्चा में आ गई क्योंकि वह पहले भी कई बार डेनमार्क के स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जता चुके हैं। उनके इस प्रस्ताव ने पिछले वर्षों में कई यूरोपीय नेताओं को नाराज किया था। हालांकि, इस बार ट्रम्प का क्या मतलब था, यह स्पष्ट नहीं हो सका।

मोदी से मेलोनी बोलीं- हम इंस्टाग्राम पर सबसे फेमस

इसी बीच मोदी और इटालियन पीएम जॉर्जिया मेलोनी की बातचीत भी हुई। मेलोनी ने मोदी से कहा- दोबारा मिलकर अच्छा लगा, हम इंस्टाग्राम पर सबसे फेमस हैं। मोदी पिछले महीने 5 देशों के दौरे पर गए थे। जहां उन्होंने रोम में पीएम मेलोनी को मेलोडी टॉफी दी थी। जिसका वीडियो वायरल हो गया था।

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने 47 नंबर वाली जर्मन फुटबॉल टीम की टीशर्ट ट्रम्प को भेंट की।

कार्नी ने ट्रम्प को चीन के साथ हुए समझौते के बारे में बताया

एक और बातचीत में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और ट्रम्प चीन से जुड़े एक समझौते पर चर्चा करते सुनाई दिए। कार्नी ने बताया कि चीन की हालिया यात्रा के दौरान एक ऐसा समझौता हुआ है जिसके तहत कनाडा में सीमित संख्या में चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात की अनुमति होगी।

मैक्रों ने जेलेंस्की और ट्रम्प की मुलाकात कराने की बात कही

सभी बातचीत मजाकिया नहीं थीं। एक माइक्रोफोन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की बातचीत भी रिकॉर्ड हुई। यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रम्प के साथ हुई पिछली बातचीत का जिक्र करते हुए मैक्रों ने जेलेंस्की से कहा, कल कैमरों के सामने हमारी एक मुश्किल बातचीत हुई थी। इसके बाद उन्होंने पूछा कि क्या जेलेंस्की की ट्रम्प के साथ अलग से कोई बैठक तय है। जब जेलेंस्की ने बताया कि वह अगले दिन ब्रसेल्स जाने वाले हैं, तो मैक्रों ने जवाब दिया, ठीक है, मैं इसकी व्यवस्था कर दूंगा।

मुलाकात : कहा- भारत के साथ समझौता किस आधार पर, चीन बोला- ये आप दोनों का मामला

नेपाल ने कालापानी लिपुलेख का मुद्दा उठाया

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात के दौरान कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख विवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे के इस्तेमाल को लेकर हुए समझौते पर सवाल उठाते हुए पूछा कि यह व्यवस्था किस आधार पर बनाई गई और इसकी प्रकृति क्या है। इसके जवाब में वांग यी ने कहा कि यह मूल रूप से भारत और नेपाल के बीच का मामला है और इसका समाधान बातचीत से ही निकलेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के मुद्दे संबंधित देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता के जरिए सुलझाए जाने चाहिए।

नेपाल ने दोहराया कि कालापानी,

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल 14 जून को 4 दिन के दौरे पर बीजिंग पहुंचे थे।

लिम्पियाधुरा और लिपुलेख उसके क्षेत्र का हिस्सा हैं। काठमांडू पहले भी नई दिल्ली और बीजिंग को विरोध नोट भेजकर कह चुका है कि उसकी सहमति के बिना इस इलाके से जुड़ा कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। भारत-चीन सीमा पर स्थित लिपुलेख दर्रे से व्यापार दोबारा शुरू होने जा रहा है।

खनाल ने भारत दौरे पर नहीं उठाया था मुद्दा

दिलचस्प बात यह है कि शिशिर खनाल ने हाल की भारत यात्रा के दौरान यह मुद्दा नहीं उठाया था। उस समय उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत की थी। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में भी कालापानी, लिम्पियाधुरा और लिपुलेख का जिक्र नहीं था। ऐसे में कूटनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा है कि नेपाल ने नई दिल्ली के मुकाबले बीजिंग में ज्यादा सख्त रुख दिखाया। विश्लेषकों का मानना है कि नेपाल दोनों पड़ोसियों के साथ संतुलन बनाए रखते हुए सीमा विवाद को जिंदा रखना चाहता है, लेकिन खुलकर टकराव से भी बचना चाहता है।

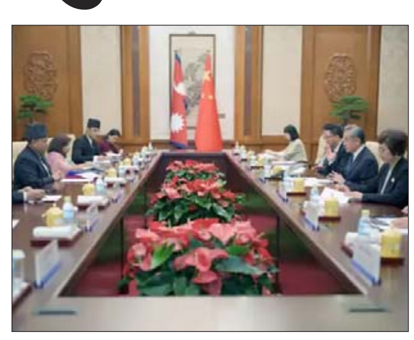

शिशिर खनाल और वांग यी के 15 जून को बीजिंग में द्विपक्षीय बैठक हुई।

2020 में हुआ था भारत-चीन समझौता

भारत और चीन ने 2020 में लिपुलेख दर्रे के जरिए कैलाश मानसरोवर यात्रा और सीमा पार व्यापार को फिर से शुरू करने पर सहमति बनाई थी। दोनों देशों ने इस मार्ग को तीर्थयात्रा और व्यापार के लिए इस्तेमाल करने की व्यवस्था पर सहमति जताई थी।

मस्क की स्पेसएक्स दुनिया की 5वीं सबसे मूल्यवान कंपनी बनी

माइक्रोसॉफ्ट-अमेजन को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

इलॉन मस्क की स्पेस और AI कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में मंगलवार को 14% से ज्यादा का उछाल आया, जिससे कंपनी का मार्केट कैप $2.85 ट्रिलियन (करीब 240 लाख करोड़) के पार पहुंच गया।

इस तेजी के साथ स्पेसएक्स ने टेक कंपनी अमेजन को पीछे छोड़ दिया है और कुछ समय के लिए माइक्रोसॉफ्ट से भी आगे निकल गई थी। स्पेसएक्स अब दुनिया की पांचवी सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। यही नहीं सोमवार को स्पेसएक्स के शेयरों में 20% से ज्यादा का उछाल आया था। इससे इलॉन मस्क ने सिर्फ एक दिन में 164 अरब डॉलर यानी करीब 15.5 लाख करोड़ रुपए कमा लिए। यह वॉरेन बफे की पूरी लाइफ टाइम कमाई 148 अरब डॉलर यानी करीब

14 लाख करोड़ रुपए से 11% ज्यादा है। वॉल स्ट्रीट पर लिस्टिंग के कुछ ही दिन बाद निवेशक लगातार इस स्टॉक में खरीदारी कर रहे हैं।

यह स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी मंगलवार को $220 पर ट्रेड कर रही थी, जो एक दिन में 14.3% की बढ़त है। यह कीमत इसके $135 के आईपीओ (IPO) प्राइस से 62% से अधिक ऊपर है। इस स्तर पर स्पेसएक्स की कुल वैल्यू करीब 2.85 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, जिसने इसे दुनिया की पांच सबसे मूल्यवान कंपनियों में शामिल कर दिया है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।
सम्पादक : विद्यादेवी
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा
समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676